दैनिक मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 233 | भोपाल, रविवार 7 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

न्यूज, ब्रीफ

हाईवे पर 6 गायों की मौत, 7 घायल

ग्वालियर। ग्वालियर-भिंड हाईवे पर एक कंटेनर (ट्रक) की चपेट में आकर एक दर्जन से ज्यादा गायों की मौत हो गई है। यह गाय बारिश के चलते सडकों पर बैठी थीं। कंटेनर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए गायों को रौंद दिया। ग्वालियर के महाराजपुरा थाना की सीमा पर 6 गाय की मौत और सात गाय के घायल होने की पुष्टि हुई है। जबकि छह गाय भिंड के मालनपुर थाना की सीमा में मृत होने की खबर है। ग्वालियर में राहगीरों ने कंटेनर चालक को भागने से पहले पकड़ लिया और जमकर पीटा है। घटना शुक्रवार रात की है। महाराजपुरा पुलिस ने मामला दर्ज किया है, लेकिन मालनपुर पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया है।

राशिद इंजीनियर पर तिहाड़ में हमला

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के बारामुला से लोकसभा सांसद राशिद इंजीनियर पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में हमला हुआ। उन पर एक ट्रांसजेंडर ने हमला तब किया जब वे अपनी बैरक में थे। जेल अधिकारियों ने बताया कि राशिद को मामूली चोटें आईं। वे सुरक्षित हैं। उधर, राशिद की पार्टी अवामी इत्तेहाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हमले की निंदा की। कहा कि ये राशिद को जेल के अंदर मारने की साजिश है। एक पैटर्न के तहत जेल के अंदर कश्मीरी कैदियों पर हमला हो रहा है। इससे पहले भी कई कश्मीरियों पर जेल के अंदर हमला हुआ। जेल अधिकारियों ने इन दावों का खंडन किया।

लाल किला से 1 करोड़ के कलश चोरी

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किला परिसर में जैन धार्मिक आयोजन के दौरान दो स्वर्ण कलश और 1.5 करोड़ रुपए के सामान चोरी हो गए। घटना 3 सितंबर की है। इसका सीसीटीवी शनिवार को सामने आया है। इसमें एक चोर जैन पुजारी के वेश में आया और कीमती सामान से भरा बैग लेकर चला गया। पुलिस ने कहा है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक स्वर्ण कलश पर लगभग 760 ग्राम का सोने का नारियल लगा था। 115 ग्राम के दूसरे कलश पर हीरे, पन्ने और माणिक जड़े थे। इन्हें जैन धर्म में पवित्र माना जाता है और ये अनुष्ठानों में काम आते हैं।

ब्लास्ट की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नोएडा। मुंबई में गणेश उत्सव के बीच ब्लास्ट की धमकी देने वाले शख्स को उत्तर प्रदेश के नोएडा से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। 50 साल के आरोपी का नाम अश्विन कुमार सुप्रा है। बिहार के पटना का रहने वाला है और पिछले 5 साल से नोएडा में रह कर ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का काम करता था। आरोपी ने गुरुवार देर रात मुंबई पुलिस को वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा था। उसने लिखा था, लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी मुंबई में घुस चुके हैं। आतंकियों ने 400 किलो आरडीक्स 34 गाडिं में फिट कर दिया है। वे बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है।

छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में ईडी की रेड के बाद सामने आए आंकड़े

डीएफएल घोटाला, 4 करोड़ कैश, 10 किलो चांदी की ईंटें जब्त

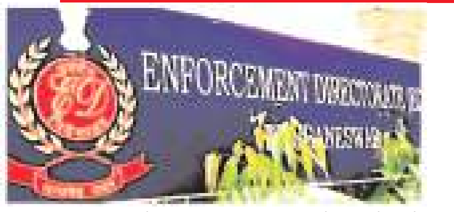

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित डीएफएल घोटाला केस में ईडी ने 4 करोड़ रुपए नकद और 10 किलो चांदी की ईंटें बरामद की हैं। इसके साथ ही कई संदिग्ध दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए हैं। ईडी को इन दस्तावेजों में भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन से जुड़े कई अहम सबूत मिले हैं। रायपुर जोनल ऑफिस की ईडी टीम ने 3 और 4 सितंबर को राज्यभर में 28 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की थी। ईडी की अलग-अलग टीमें धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत रायपुर, दुर्ग, भिलाई और गरियाबंद में दबिश दी थी। ईडी के मुताबिक 2 दिनों तक चली जांच में ठेकेदारों, वेंडर्स और लाइजनरों के दफ्तरों और आवासों को खंगाला गया।

ईडी ने एफआईआर के आधार पर शुरू की जांच

ईडी के मुताबिक यह पूरी कार्रवाई एफआईआर के आधार पर शुरू की है, जिसे छत्तीसगढ़ पुलिस ने दर्ज की थी। इन एफआईआर में ठेकेदारों, वेंडर्स और सरकारी अधिकारियों पर आरोप लगाए गए थे। खनन प्रभावित इलाकों के लिए बनी डीएफएल राशि का दुरुपयोग किया गया। साथ ही इसे घोटाले में बदल दिया गया। जांच में सामने आया कि बीज निगम के जरिए डीएफएल की करोड़ों की राशि खर्च दिखाकर हेरफेर किया गया। वेंडर्स और ठेकेदारों को कृषि उपकरण, पल्वराइजर, मिनी दाल मिल और बीज सप्लाई करने के नाम पर ठेके दिए गए। इन ठेकों पर 40 से 60 प्रतिशत तक कमीशन वसूला गया, जिसे लाइजनरों के जरिए अफसरों और नेताओं तक पहुंचाया जाता था। ईडी के मुताबिक सिर्फ इसी प्रक्रिया में करीब 350 करोड़ रुपए की डीएफएल राशि के दुरुपयोग का अंदेशा है।

पावागढ़ में मालवाहक रोपवे टूटने से लिफ्टमैन समेत 6 लोगों की मौत

पंचमहल। शक्तिपीठ पावागढ़ पहाड़ी पर आज एक मालवाहक रोपवे के टूटने से 6 लोगों की मौत हो गई इस मालवाहक रोपवे का उपयोग मुख्य रूप से मंदिर ट्रस्ट के कार्यों, श्रमिकों और विशिष्ट अतिथियों के लिए किया जाता था। जानकारी के मुताबिक पंचमहल जिले के हालोल तहसील में पावागढ़ पहाड़ी पर शक्तिपीठ है आज दोपहर जब कुछ मजदूर रोपवे पर सवार थे, तभी रोपवे के टावर में तकनीकी खराबी के कारण एक हादसा हुआ, जिससे टावर गिर गया। शुरूआती जानकारी के अनुसार इस हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। 6 मृतकों में 2 ऑपरेटर, 2 श्रमिक और 2 अन्य लोग शामिल हैं। पूरी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया। शवों को तुरंत हलोल उप-जिला अस्पताल लाया गया है। घटना की सूचना मिलने पर हलोल विधायक और पुलिस उपाधीक्षक अस्पताल पहुँच गए हैं और स्थिति का जायजा ले रहे हैं। पंचमहल पुलिस अधीक्षक हरेश दूधात ने बताया कि आज पावागढ़ में मंदिर निर्माण के लिए सामग्री ले जाने वाला रोपवे अचानक टूट गया, जिससे उसमें सवार छह लोगों की मौत हो गई। दो ऑपरेटर जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं, एक राजस्थान का था और बाकी तीन गुजरात के हैं। फिलहाल जाँच चल रही है कि वे कहाँ के रहने वाले हैं। शुरूआती जांच के मुताबिक तार टूटने की वजह से रोपवे गिरा। एफएसएल जाँच के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। पावागढ़ जैसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध तीर्थ स्थल होने के कारण, इस त्रासदी से श्रद्धालुओं, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में भारी रोष और चिंता पैदा हो गई है।

10 सितंबर को बनारस पहुंचेंगे मॉरीशस के प्रधानमंत्री

11 को पीएम मोदी से होगी वार्ता

वाराणसी। भारत और मॉरीशस के रिश्तों को और मजबूती प्रदान करने की कड़ी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन चंद्र राम गुलाम 10 सितंबर को वाराणसी पहुंचेंगे। इसके बाद 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। 12 सितंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अगुवाई में काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव के दर्शन करेंगे और गंगा आरती में भी शामिल होंगे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के ठहरने का इंतजाम होटल ताज में किया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कमिश्नर एस. राज लिंगम का कहना है कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री और पीएम नरेंद्र मोदी के वाराणसी में होने वाले आयोजन और द्विपक्षीय वार्ता को लेकर प्रशासन अलर्ट है। स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर सांस्कृतिक पृष्ठभूमि तैयार की जा रही है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री 10 सितंबर को काशी आगमन के बाद होटल ताज तक पहुंचेंगे। जहां विश्राम करने के पश्चात शाम को गंगा आरती में शामिल होंगे। वहां से क्रूज पर सवार होकर गंगा भ्रमण करके वापस होटल पहुंचेंगे। 11 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से वार्ता होगी। फिलहाल शहर की साफ सफाई, सुंदरीकरण के लिए विभिन्न विभागों के साथ बैठक जारी है।

लाल किला परिसर से सोने का हीरा जड़ित कलश चोरी करने वाले की हुई पहचान

एजेंसी | नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली बड़ी घटना सामने आई है। एक जैन धार्मिक आयोजन के दौरान लगभग एक करोड़ रुपये की कीमत का कलश चोरी हो गया। यह कलश 760 ग्राम सोने से बना था और इसमें करीब 150 ग्राम हीरे व पन्ना जड़े हुए थे। जानकारी के अनुसार, कारोबारी सुधीर जैन रोजाना पूजा के लिए इस कलश को लाल किला परिसर में लाते थे। बुधवार को जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे, तभी स्वागत की अफरातफरी के बीच मंच से कलश गायब हो गया। कलश चोरी मामले में दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की है कि सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध की गतिविधियां दर्ज हुई हैं। संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और जल्द ही गिरफ्तारी की संभावना है। कार्यक्रम के आयोजक पुनीत जैन ने बताया कि पूजा के बाद सुधीर जैन का बैग, जिसमें कलश और अन्य धार्मिक सामग्री रखी थी, गायब पाया गया।

जैन समुदाय का यह धार्मिक आयोजन 15 अगस्त से लाल किला परिसर में चल रहा है और 9 सितंबर तक जारी रहेगा। यह घटना एक बार फिर लाल किले की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा अभ्यास के दौरान नकली बम का पता लगाने में नाकामी पर दिल्ली पुलिस के सात कर्मियों को निलंबित किया गया था।

30,000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

पंजाब और जम्मू में बाढ़, बारिश भूस्खलन से 40 साल में सबसे बड़ी तबाही

400 से ज्यादा लोगों की गई जान

नई दिल्ली। इस साल देश में मानसून का कहर हर तरफ देखने को मिल रहा है। खासकर उत्तर भारत के कई इलाकों हुई भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में तबाही मचाई। उत्तर भारत के ज्यादातर राज्य लगातार भारी बारिश और फ्लैश फ्लड से तबाह हो गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने पहाड़ों को कीचड़ भरी नदियों और मैदान को विशाल समुद्रों में बदल दिए हैं। अधिकारियों और मौसम वैज्ञानिकों ने इसे पिछले चार दशकों में उत्तर भारत की सबसे भयावह बाढ़ बताया है। इस प्राकृतिक आपदा में 400 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और दस लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। वहीं तीनों राज्यों में कुल आर्थिक नुकसान 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने का अनुमान है। इस आपदा ने तीन राज्यों में हुई आर्थिक तबाही के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। राज्य सरकारों और केंद्रीय गृह मंत्रालय के शुरूआती आंकड़ों के अनुसार, तीनों राज्यों में कुल आर्थिक नुकसान 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा होने का अनुमान है।

बढ़ रही हैं प्रकृतिक आपदाएं

जलवायु वैज्ञानिक इस बात पर जोर दे रहे हैं कि ऐसी चरम घटनाएं जो कभी 50 साल में एक बार होने की आशंका थी, अब लगातार बढ़ती जा रही हैं। हिमालय, वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और तेजी से बर्फ और बर्फ पिघल रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। साथ ही वनों की कटाई, खनन और नदी तटों और बाढ़ के मैदानों पर बेतहाशा निर्माण ने धरती के प्राकृतिक आघात अवशोषक को नष्ट कर दिया है। इस बाढ़ ने साल 1998 के पंजाब बाढ़ की यादों को ताजा कर दिया है, जब सिंधु जल सिस्टम की नदियों ने खेतो और कस्बों को डुबो दिया था, लेकिन इस बार जलवायु परिवर्तन, अनियोजित शहरीकरण और जर्जर बुनियादी ढांचे ने इस प्रकृति प्रकोप को बढ़ावा दिया है।

कुल्लू-मंडी और किन्नौर में भारी तबाही

इसका सबसे पहले दंश हिमाचल प्रदेश ने झेला, जहां लगातार बादल फटने के कारण कुल्लू, मंडी और किन्नौर जिलों की खड़ी ढलानें ढह गईं और चट्टानें-मलबा नदियों में बह गया। इसके अलावा ब्यास और सतलज नदियों ने कई जगहों पर तटबंध तोड़ दिए। बाढ़ में 250 से ज्यादा सडकें बह गई, जिनमें चंडीगढ़-मनाली राजमार्ग का हिस्सा भी शामिल है। सतलुज पर नाथपा झकरी जैसे बड़े जलविद्युत संयंत्रों में गाद भरने से टर्बाइन बंद करनी पड़ी हैं। उधर, शिमला और कुल्लू के सेब के बाग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

किसानों के सुख-दुख में हमेशा साथ है सरकार

अन्नदाताओं की मुस्कान ही सरकार की ताकत : मुख्यमंत्री डॉ यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आपदा प्रभावित 17500 किसानों के खातों में की 20 करोड़ 60 लाख रुपए की राहत राशि अंतरित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से प्रदेश के 11 जिलों के 17500 किसानों को 20 करोड़ 60 लाख रुपए बाढ़ राहत राशि का वितरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बीते दिनों प्रदेश में अतिवृष्टि (प्राकृतिक आपदा) के कारण फसलों को हुई क्षति के मुआवजे के रूप में प्रभावित किसानों के खातों में सिंगल क्लिक के जरिए इस राहत राशि का हस्तांतरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रभावित किसानों से वर्चुअल संवाद करते हुए कहा है कि प्रदेश के अन्नदाताओं की खुशहाली और उनकी मुस्कान ही हमारी सरकार की ताकत है। मौसम की मार में हम किसानों को बेसहारा नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा कि जो होना था, हो चुका। हम अपने किसानों को उनकी फसल क्षति का समुचित मुआवजा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्नदाताओं को भरोसा दिलाया कि प्रदेश का कोई भी किसान मौसम की मार पर बेसहारा नहीं रहेगा। हमारी सरकार सुख-दुख सहित हर परिस्थिति में किसानों के साथ है। सबको राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर सचिव श्री आलोक सिंह, आयुक्त राजस्व श्रीमती अनुभा श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिलों में अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों से आत्मीय संवाद कर उनकी कुशल-क्षेम लेकर फसल क्षति और वर्तमान स्थिति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी के किसान श्री राघवेन्द्र और श्री जगत पाल, दमोह के श्री सरदार सिंह और श्री संग्राम सिंह, अशोकनगर के श्री प्रदीप सिंह रघुवंशी और कल्याण सिंह, धार के श्री ओमप्रकाश और श्री जगदीश, छतरपुर के श्री रमेश और श्री प्रकाश, रायसेन के श्री अरविंद और श्री अमर सिंह से वर्चुअली संवाद किया। दमोह जिले में पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी भी उपस्थित रहे। प्रभावित किसानों ने सरकार द्वारा त्वरित रूप से बाढ़ आपदा राहत राशि प्रदान करने पर मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा बीते अगस्त महीने में प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि एवं बाढ़ से हुई विभिन्न क्षतियों से प्रभावित परिवारों की पीड़ा को ध्यान में रखते हुए 24 हजार 884 प्रभावितों को 30 करोड़ रुपये से अधिक की राहत राशि का वितरण किया था। राजस्व आयुक्त श्रीमती श्रीवास्तव ने बताया कि प्राकृतिक प्रकोपों से प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए राजस्व पुस्तक में प्रावधान किए गए हैं, जिससे प्रभावित परिवार अपनी आजीविका को पुनर्स्थापित कर सकें। इस मानसून सीजन में प्रदेश में 1031.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 25% अधिक है।

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

पटना। भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है। इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर , हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। आईआरसीटीसी यहां एक विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे- जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्जरी ट्रेनें शामिल हैं।

अजरबैजान का आरोप, भारत ने एससीओ की पूर्ण सदस्यता पर लगाई रोक

पाकिस्तान से दोस्ती का लिया बदला, आरोपों को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली। हाल में हुए चीन में एससीओ के शिखर सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया। दरअसल अजरबैजान ने आरोप लगाया है कि भारत ने उसके एससीओ में पूर्ण सदस्यता के आवेदन को रोक दिया है। अजरबैजान का दावा है कि भारत ने यह फैसला पाकिस्तान से उसके करीबी संबंधों के चलते बदला लेने की भावना से किया है। भारत सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एससीओ की सदस्यता प्रक्रिया संगठन के चार्टर और सदस्य देशों की सहमति पर आधारित होती है, न कि किसी द्विपक्षीय दुश्मनी पर। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने अपने मित्र देश आर्मेनिया का भी जिक्र करते हुए कहा है कि उसे भी पूर्ण सदस्य नहीं बनाया गया है। बता दें चीन के तियानजिन शहर में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ का 25वां शिखर सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन में पीएम मोदी, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत सभी प्रमुख सदस्य देशों के नेता शामिल हुए थे। एससीओ के वर्तमान में 10 पूर्ण सदस्य हैं, जिनमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, तजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। इसके अलावा, 14 देश डायलॉग पार्टनर के रूप में जुड़े हैं, जिनमें अजरबैजान भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अजरबैजान लंबे समय से एससीओ में पूर्ण सदस्यता की मांग कर रहा था। सम्मेलन में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव डायलॉग पार्टनर की हैसियत से मौजूद थे। उन्होंने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की थी, लेकिन सम्मेलन के समापन पर किसी नए सदस्य को शामिल करने की घोषणा नहीं हुई। अजरबैजानी मीडिया ने तुरंत भारत पर उंगली उठाई और कहा कि भारत ने वीटो पावर का इस्तेमाल कर अजरबैजान की सदस्यता को रोक दिया। वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि समय की कमी के कारण हाल ही में चीन में हुए शिखर सम्मेलन में आर्मेनिया और अजरबैजान के एससीओ में शामिल होने के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस साल, आर्मेनिया और अजरबैजान दोनों ने सदस्यता के लिए आवेदन दिया था। समय की कमी के कारण, तियानजिन में सदस्य देशों द्वारा इस मुद्दे पर कोई फैसला नहीं हो सका। यह मामला समूह द्वारा अभी भी विचाराधीन है। बता कि भारत आर्मेनिया का करीबी रक्षा साझेदार है। भारत ने आर्मेनिया को पिनाका रॉकेट सिस्टम, आकाश मिसाइल, स्वाथी वेपन लोकेटिंग रडार और तोपें जैसी सैन्य आपूर्ति की है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के सामने खुलकर भारत की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत हमारे देश से शत्रुता का बर्ताव करता है। वैश्विक मंचों पर वह हमसे बदला लेने की कोशिश करता है, क्योंकि अजरबैजान का पाकिस्तान के साथ अच्छा संबंध है। अलीयेव ने दावा किया कि चीन, रूस और पाकिस्तान ने अजरबैजान की सदस्यता का समर्थन किया था, लेकिन भारत के विरोध के कारण यह संभव नहीं हो सका।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण आज रात

ज्योतिषियों की मानें तो 100 साल बाद पितृ पक्ष में बन रहा संयोग

नई दिल्ली। देशभर की निगाहें आज रात आकाश की ओर होंगी। 7 सितंबर को लगने वाला यह पूर्ण चंद्र ग्रहण भारत सहित यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका, फिजी और अंटार्कटिका के कई हिस्सों में देखा जा सकेगा। ज्योतिषीय दृष्टिकोण से यह ग्रहण बेहद खास है क्योंकि यह पितृ पक्ष में 100 साल बाद पड़ रहा है। इस वर्ष के अंतिम चंद्र ग्रहण को लेकर अनेक ज्योतिषियों का कहना है कि यह ग्रहण राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर खासा असर डाल सकता है। प्राकृतिक आपदाओं की आशंका भी जताई जा रही है, विशेषकर बाढ़, भारी वर्षा और पहाड़ी इलाकों में तबाही का खतरा बढ़ सकता है। इसका असर आम जनजीवन और पशु-पक्षियों पर भी पड़ने की आशंका जाहिर की गई है। चंद्र ग्रहण का धार्मिक महत्व पूर्णिमा पर लगने वाला ग्रहण विशेष धार्मिक महत्व रखता है। पितृ पक्ष के चलते इस ग्रहण को और भी अधिक प्रभावी माना जा रहा है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार ग्रहण काल में पूजा-पाठ वर्जित है और स्नान, दान व जप करने से पुण्य फल प्राप्त होता है। ग्रहण कब और कितनी देर रहेगा? इस चंद्र ग्रहण का आरंभ 07 सितंबर को रात 9:58 बजे से और चरम (पीक) रात 11:42 बजे रहेगा जबकि च्रद्र ग्रहण का समापन रात 1:26 बजे यानी 8 सितंबर को होगा।

नरेश बालियान मकोका केस:

अदालत ने पुलिस को दस्तावेज उपलब्ध कराने दिए निर्देश

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता नरेश बालियान से जुड़े मकोका मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह आरोपियों को सभी संबंधित दस्तावेज 15 सितंबर तक उपलब्ध कराए। मामले की अगली सुनवाई अब 15 सितंबर को होगी। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने नरेश बालियान और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 3 जून तक बढ़ा दी थी। साथ ही दिल्ली पुलिस को आरोपी विकास गहलोत के खिलाफ जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। अदालत ने दोहराया कि जांच में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दिल्ली पुलिस की चार्जशीट के अनुसार नरेश बालियान और उनके सहयोगियों पर संगठित आपराधिक नेटवर्क बनाने और उसे सक्रिय रूप से संचालित करने के गंभीर आरोप हैं। इस गिरोह पर हथियारों की तस्करी, जबरन वसूली और कई अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का दावा किया गया है।

बालियान आरोपों को कर रहे खारिज

नरेश बालियान ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा, यह मामला पूरी तरह से राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। मुझे फर्जी तौर पर फंसाया गया है। विपक्षी ताकतें मेरी छवि खराब करना चाहती हैं। इस स्थिति में अब कोर्ट की अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी, जिसे केस की दिशा तय करने में अहम माना जा रहा है। इस दौरान आरोप तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

संपादकीय

मिक्स्ड सिग्नल

पूरी दुनिया में जब चीन से आई पीएम नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और शी चिनफिंग के बीच की केमेस्ट्री दिखाती तस्वीरों का विश्लेषण हो रहा है, तब अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-अमेरिकी संबंधों को संभालने की कोशिश की है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का यह बयान भी सकारात्मक संदेश देता है कि ट्रेड डील के लिए अमेरिका के साथ बातचीत चल रही है।

टैरिफ पर अड़ियल रुख के बावजूद ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन में ऐसे लोग हैं, जो अमेरिका के लिए भारत के रणनीतिक महत्व को समझते हैं। मार्को रुबियो उनमें से एक हैं। उनका बयान ही नहीं, उसकी टाइमिंग भी अहम है। जिस दिन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापारिक रिश्ते को एकतरफा बताया, उसी दिन रुबियो ने इस साझेदारी को 21वीं सदी का निर्णायक रिश्ता करार दिया।

उन्होंने दोनों देशों की जनता के बीच बनी मित्रता को इंडिया-रु पार्टनरशिप का आधार बताकर हाल में आई कटुता को दूर करने का प्रयास किया है। ट्रंप की छवि ऐसे राजनेता की बन चुकी है, जिसकी नीतियां अस्थिर हैं और जो व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के आधार पर बदलती रहती हैं। अपने पहले कार्यकाल में भी ट्रंप ने कई ऐसे बयान दिए थे, जिनके बारे में बाद में वाइट हाउस को सफाई देनी पड़ी। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर मसले पर मध्यस्थता का प्रस्ताव हो या अमेरिकी चुनाव में दखल के मामले में रूस को क्लीनचिट देना - ट्रंप ने अपने विदेश विभाग को कई बार असमंजस में डाल दिया था। अगर मौजूदा हालात को देखें, तो अब भी कुछ वैसा ही होता दिख रहा है। ट्रंप का रवैया बातचीत के सारे रास्ते बंद करने का है, लेकिन अमेरिकी रणनीतिकार जानते हैं कि इससे चीजें और बिगड़ जाएंगी। वैसे भी पश्चिमी मीडिया पीएम मोदी की चीन यात्रा और वहां पूतिन से उनकी मुलाकात को अमेरिकी डिप्लोमैसी के लिए बड़े झटके के रूप में देख रहा है। हालांकि भारत ने कभी संवाद का रास्ता बंद नहीं किया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का बयान इसका सबूत है। दुनियाभर में कारोबारी रिश्तों का विस्तार करने के बावजूद नई दिल्ली ने वॉशिंगटन के साथ पुराने संबंधों को नहीं छोड़ा है। इस कड़ी में यह भी अहम है कि दोनों देशों की सेनाएं संयुक्त अभ्यास के लिए अलास्का में जुटी हैं। भारत और अमेरिका ने दो दशकों की मेहनत के बाद अपने संबंधों को यह ऊंचाई दी थी। इस दौरान यह द्विपक्षीय रिश्ता कभी तीसरे देश को देखकर निर्धारित नहीं हुआ। ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को यह बात समझते हुए बातचीत के रास्ते खुले रखने चाहिए।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 'विक्रम' नाम दिया गया है।

उम्मीदों की चिप से हौसलों की उड़ान भरता भारत

(ललित गर्ग)

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी।

भारत ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया इतिहास रचते हुए अपना पहला पूर्णतया स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर तैयार कर एक तकनीकी क्रांति को आकार दिया है। यह उपलब्धि न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है। भारत ने इस तकनीकी क्रांति की तरफ कदम बढ़ते हुए आत्मनिर्भर एवं स्वदेशी तकनीकी प्रगति को नये आयाम दिये हैं। पहला पूर्णतः स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विकसित करने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिये इसरो की सेमीकंडक्टर लैब साक्षी बनी है। पहली मेड इन इंडिया चिप का उत्पादन गुजरात के साणंद स्थित पायलट प्लांट से शुरू होगा। केंद्र की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत 18 अरब डॉलर से ज्यादा के कुल निवेश वाली दस सेमीकंडक्टर परियोजनाएं देश में चल रही हैं, अब भारत को इस तरह की तकनीक के लिये विदेशों के पराधीन नहीं होना होगा। इस कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले चिप क्षेत्र में भारत की यह दस्तक उत्साह जगाने वाली है, निश्चित ही इससे भारत की ताकत बढ़ेगी और तकनीक के साथ-साथ यह आर्थिक विकास को तीव्र गति देगा। फिलहाल आधुनिक समय की इस जादुई चिप के उत्पादन में ताइवान, दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका जैसे देशों का वर्चस्व है। विशेषतः भारत की यह जादूई उपलब्धि अमेरिका को आइना दिखाने वाली है, ट्रंप को यह एक बड़ा झटका है।

भारत इस क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिये उत्सुक है। तभी सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़े बदलाव की नींव रखेगी। हालांकि, इस राह में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन उम्मीद है कि छह सौ अरब डॉलर वाले वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में भारत की हिस्सेदारी आने वाले वर्षों में 45 से 50 अरब डॉलर की हो सकती है, जिससे भारत अनेक मोर्चे पर सफलता के परचम फहरायेगा। इस स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की अर्धचालक प्रयोगशाला ने अभिकल्पित किया है और इसे 'विक्रम' नाम दिया गया है। यह अंतरिक्ष-मानक माइक्रोप्रोसेसर है, जो मुख्यतः अंतरिक्ष अभियानों और रॉकेट प्रणालियों में प्रयोग के लिए तैयार किया गया है। इसरो ने सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) चंडीगढ़ के साथ मिलकर दो स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर विक्रम 3201 और कल्पना 3201 विकसित किए हैं। यह माइक्रोप्रोसेसर प्रक्षेपण यानों के नेविगेशन और नियंत्रण में मदद करेंगे। विक्रम 3201 पूरी तरह भारत में बना पहला 32-बिट प्रोसेसर है। इस कदम से इसरो को विदेशी प्रोसेसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा जिससे अंतरिक्ष में देश की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। निश्चित ही इससे भारत ने महाशक्ति बनने की ओर अपनी गति को तीव्रता दी है, जिससे अमेरिका हिला और दुनिया भारत की ताकत से रू-ब-रू हो रही है।

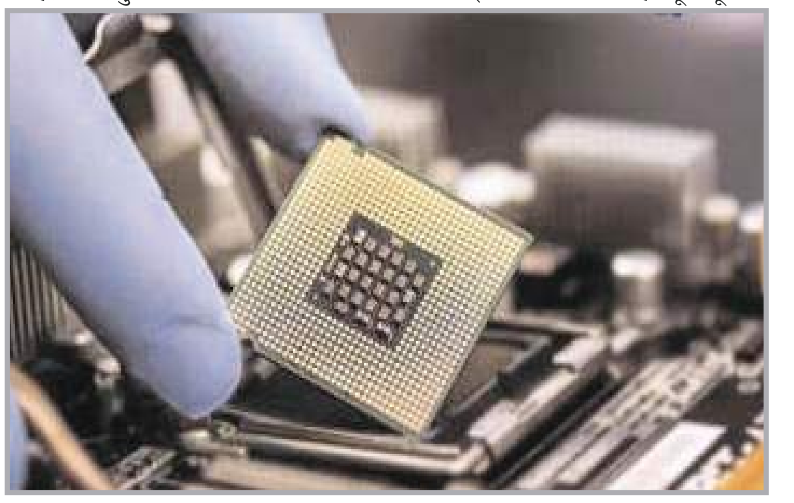

अब तक भारत को अनेक जटिल अंतरिक्ष अभियानों के संचालन हेतु विदेशी सूक्ष्म-प्रक्रमकों और अर्धचालक पट्टिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता था। यह विदेशी निर्भरता न केवल आर्थिक दृष्टि से बोझिल थी बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी चुनौतीपूर्ण थी। 'विक्रम' माइक्रोप्रोसेसर के निर्माण से भारत ने इस निर्भरता की बेड़ियों को तोड़ा है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाया है। निस्संदेह, भारत को चिप उत्पादन क्षेत्र में एक दिग्गज देश बनने के लिए निरंतर निवेश, अनुसंधान-विकास और विनिर्माण की आवश्यकता होगी। प्रधानमंत्री मोदी इसके लिये निरन्तर प्रयासरत है। हाल ही में प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से उम्मीद जगी है कि वह वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन पारिस्थितिकीय तंत्र विकसित करने में भारत के लिये मददगार साबित हो सकता है। यह सुखद ही है कि भारत में चिप उत्पादन परियोजनाओं में जापानी निवेश बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राएं भारत को ऐसे ही विकास के नये शिखरों पर आरोहण कराने का सशक्त माध्यम बन रही है।

निश्चित रूप से मोदी सरकार के प्रयासों से भारत चिप उत्पादन के वैश्विक महत्वाकांक्षी अभियान की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ सकता है। दरअसल, डिजिटल डिवाइसों का मस्तिष्क कहा जाने वाला सेमीकंडक्टर कंप्यूटर, मोबाइल, राउटर, कार, सैटलाइट जैसे उन्नत डिजिटल डिवाइस तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन उपकरणों की कार्यकुशलता उन्नत चिप की ताकत पर निर्भर करती है। साधारण शब्दों में कहें चिप पतली सिलिकॉन वेफर पर बने लाखों-करोड़ों ट्रांजिस्टरों का संजाल है।

जो कंप्यूट करने, मेमोरी प्रबंधन व सिग्नल प्रोसेस करके डिवाइस को उन्नत बनाती है। उम्मीद है कि भारत का स्वेदशी चिप इस साल के आखिर तक बाजार में आ सकेगी। जिसका असर जियोपॉलिटिक्स पर तो होगा ही, नये रोजगार सृजन का वातावरण भी बनेगा, भारत तकनीकी विकास के नये आयाम उद्घाटित करते हुए विश्व को अचंभित भी करेगा। निश्चय ही भारत यदि अनुसंधान-विकास व व्यापार सुगमता की स्थितियां निर्मित कर लेता है तो हमारी सेमीकंडक्टर आयात के लिये दूसरे देशों पर निर्भरता कम हो सकती है। इससे हम वैश्विक दबाव से मुक्त होकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बना सकते हैं।

32-बिट क्षमता का अर्थ है कि यह माइक्रोप्रोसेसर अधिक व्यापक स्मृति का उपयोग कर सकता है और जटिल संगणकीय कार्यों को तीव्र गति से संपन्न कर सकता है। अंतरिक्ष अभियानों में जहाँ प्रत्येक क्षण और प्रत्येक संकेत का महत्व होता है, वहाँ इस प्रकार की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। यह केवल गति और कार्यकुशलता नहीं देता बल्कि विकिरण-सहनशीलता और दीर्घकालीन स्थिरता जैसे गुण भी समाहित करता है। अंतरिक्ष में प्रबल विकिरण, तापमान का उतार-चढ़ाव और कठोर परिस्थितियाँ होती हैं, जिनका सामना सामान्य माइक्रोप्रोसेसर नहीं कर सकते। इसलिए इस प्रकार का अंतरिक्ष-योग्य माइक्रोप्रोसेसर ही मिशनों की सफलता का आधार बन सकता है। इस उपलब्धि का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसके लिए आवश्यक रूपांकन, निर्माण और परीक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया भारत में ही सम्पन्न की गई है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं बल्कि उसका सर्जक भी है। सूक्ष्म-संगणक की यह अभिकल्पना केवल एक चिप का निर्माण नहीं है, यह भारत की वैज्ञानिक प्रतिभा, उसकी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का परिचायक है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सफलता हासिल करने की दिशा में भारत का एक सशक्त पक्ष यह भी है कि दुनिया के लगभग बीस फीसदी चिप डिजाइन इंजीनियर भारत में हैं। दरअसल, इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी क्षेत्र में कामयाबी के लिये भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर परियोजना के रूप में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार बड़ी घरेलू कंपनियों को संबल देने के लिये डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव यानी डीएलआई के तहत दिए जा रहे लाभ के विस्तार के साथ ही, इसके तहत दिये जाने वाले अनुदान को बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। जिसके तहत महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर उत्पादन परियोजनाओं के लिये केंद्र व राज्यों से प्रोत्साहन के रूप में परियोजना की कुल लागत का सत्तर फीसदी मिलना जारी रह सकता है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को भारत में गेम चेंजर टेक क्रांति माना जा रहा है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के विभिन्न प्रौद्योगिकी संस्थान पहले ही 'शक्ति' और 'वेगा' जैसे स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर पर काम कर चुके हैं।

अमेरिका में रह रहे भारतीय चुप क्यों हैं? क्या देशभक्ति सिर्फ नारों तक सीमित है?

(नीरज कुमार दुबे)

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं– जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है।

अक्सर देखा जाता है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर अमेरिका में बसे भारतीय और भारतीय मूल के लोग बड़े जोश के साथ इंडिया डे परेड या अन्य सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन करते हैं। इसी तरह जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर जाते हैं, तो बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकी उनके स्वागत में उमड़ पड़ते हैं और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठता है। यह दृश्य निश्चित ही भावनाओं को छूने वाला होता है और मातृभूमि के साथ जुड़ाव को दर्शाता है।

लेकिन प्रश्न यह है कि जब वास्तविक चुनौतियाँ सामने आती हैं– जैसे डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत विरोधी रुख अपनाना और भारतीय सामानों पर भारी टैरिफ लगाना, तो वही प्रवासी भारतीय समुदाय चुप क्यों हो जाता है? यही खामोशी गंभीर सवाल खड़े करती है। देखा जाये तो देशभक्ति केवल उत्सवों और नारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि भारतीय-अमेरिकी समुदाय अमेरिकी राजनीति, मीडिया और नीतिगत हलकों में प्रभावशाली है तो इस प्रभाव का इस्तेमाल भारत की छवि और हितों की रक्षा में क्यों नहीं किया जाता? जब भारत के खिलाफ नीतिगत फैसले लिए जा रहे हैं या अमेरिकी मीडिया में भारत-विरोधी नैरेटिव सामने आ रहे हैं, तब सामूहिक और मुखर आवाज़ का अभाव कहीं न कहीं प्रवासी देशभक्ति की सीमाओं को उजागर करता है।

संभव है कि यह चुप्पी डयूल लायलटी यानी दोहरी निष्ठा के आरोपों से बचने की व्यावहारिक रणनीति हो। यह भी हो सकता है कि भारतीय-अमेरिकी अपने कॅरियर और सामाजिक सुरक्षा को दांव पर नहीं लगाना चाहते। लेकिन तब सवाल यह उठता है कि क्या देशभक्ति केवल सुरक्षित अवसरों तक ही सीमित रहेगी?

देखा जाये तो भारत आज वैश्विक मंच पर उभरती शक्ति है और उसे प्रवासी भारतीयों की सक्रिय भागीदारी और समर्थन की ज़रूरत है। ऐसे में भारतीय-अमेरिकियों को यह तय करना होगा कि उनकी देशभक्ति केवल परेड और नारे तक सीमित है या फिर वे कठिन समय में भी भारत के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाएँगे।

लेकिन भावनाओं से परे इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देखा जाये तो भारतीय-अमेरिकी बड़ी संख्या में अमेरिका की कॉर्पोरेट दुनिया, आईटी सेक्टर, मेडिकल प्रोफेशन और वित्तीय संस्थाओं में ऊंचे पदों पर हैं। लेकिन इन सबके बावजूद वे अमेरिकी राजनीतिक तंत्र में अभी भी अल्पसंख्यक माने जाते हैं। किसी भी राजनीतिक विवाद पर खुलकर बोलना उनके लिए कॅरियर और सामाजिक हैसियत पर असर डाल सकता है। खासकर, ट्रंप जैसे नेता जिनकी राजनीति आक्रामक और विभाजनकारी रही है, उनके खिलाफ बोलना भारतीय-अमेरिकियों को असुरक्षित कर सकता है।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय को अमेरिका में अक्सर माडल मायनर्टी कहा जाता है– यानि एक अनुशासित, मेहनती और कानून का पालन करने वाला समुदाय। इस छवि को बनाए रखना उनके लिए सामाजिक पूंजी का हिस्सा है। यदि वे अमेरिकी नीतियों के खिलाफ आवाज़ उठाते हैं, तो यह छवि टूट सकती है और उन्हें असहज अल्पसंख्यक के रूप में देखा जा सकता है।

नेताओं को सुधारने के लिए बन रहे हैं इंडोनेशिया जैसे हालात

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है।

(योगेंद्र योगी)

पूर्व सांसदों की पेंशन 25,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है।

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपये (3,075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं।   इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामें के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया। इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक

इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण केमुद्दे पर लोक सभा और राज्य सभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधी देशहित के लिए कितने गंभीर हैं।

काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की इगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्रवाई ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा में 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़ रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है। संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन भत्ता जोड़कर हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्रवाई ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं।

साल का अंतिम चंद्रग्रहण आज

भारत में भी दिखेगा, मंदिरों के पट 12 बजे हो जाएंगे बंद

भोपाल। साल का अंतिम चंद्र ग्रहण रविवार को पड़ेगा। इसके कारण मंदिरों में दर्शन बंद रहेंगे। ग्रहण का सूतक काल दोपहर 12:58 बजे से शुरू होगा। शास्त्रीय मयार्दा के अनुसार मंदिरों के पट रविवार दोपहर 12 बजे बंद कर दिए जाएंगे। इस दौरान पुजारी मंदिर में रहकर जाप अनुष्ठान करेंगे। मंदिर की शुद्धता के बाद भक्तों को 8 सितंबर को ही दर्शन की अनुमति मिलेगी। अंक ज्योतिष पंडित गणेश शर्मा के अनुसार, 7 सितंबर को साल का अंतिम चंद्र ग्रहण लगेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा और भारत में दिखाई देगा। इसी दिन से पितृपक्ष की भी शुरूआत हो रही है। पितृपक्ष भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से शुरू होता है। यह 16 दिन तक चलता है। इस दौरान पूर्वजों की आत्मशांति के लिए पाठ, दान-दक्षिणा और पिंडदान किया जाता है। मान्यता है कि इस अवधि में पितर पृथ्वी पर आकर वंशजों पर कृपा करते हैं। कब होता है चंद्रग्रहण ग्रहण काल में धार्मिक यात्रा और खरीदारी वर्जित है। चंद्र ग्रहण तब होता है जब सूर्य और चंद्रमा के बीच पृथ्वी आ जाती है, जिससे धरती की छाया चंद्रमा पर पड़ती है और चांद नहीं दिखता है। चंद्रग्रहण हमेशा पूर्णिमा की रात को होता है।

भदभदा डैम के दो गेट खोल बहाया जा रहा पानी

भोपाल का बड़ा तालाब हो गया फुल, वाटर लेवल पहुंचा 1666.50

भोपाल। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब फुल टैंक लेवल तक भर गया है। इसके बाद शनिवार सुबह 10:35 बजे महापौर मालती राय ने पूजा-अर्चना की और इसके बाद भदभदा डैम के गेट खोले गए। गेट खोलने से पहले साइरन बजाकर लोगों को अलर्ट किया गया। इसके बाद एक-एक कर दो गेट खोले गए, जिनमें से फिलहाल एक को बंद कर दिया गया है। बता दें पिछले 23 साल में यह दूसरा मौका है, जब सितंबर महीने में भदभदा डैम के गेट खोले गए। इससे पहले वर्ष 2003 में सितंबर में गेट खोले गए थे। वहीं, पिछले साल भारी बारिश के कारण 2 अगस्त को ही गेट खोलने पड़े थे। एसआई भगवान दास तिवारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से डैम पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कंट्रोल रूम से अतिरिक्त जवान भी बुलाए गए हैं और आम लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद लोग परिवार सहित डैम के गेट खुलते देखने पहुंच रहे हैं। दरअसल, कैचमेंट एरिया और सीहोर जिले में बारिश होने से बड़ा तालाब का जलस्तर 1666.50 फीट तक पहुंच गया। इसके बाद डैम प्रबंधन ने गेट खोलने का निर्णय लिया। गेट से निकला पानी सीधे कलियासोत डैम में पहुंच रहा है, जिससे वहां भी गेट खोले जाने की संभावना है।

बड़ा तालाब भरने से 2 डैम के खुलते हैं गेट

कोलांस नदी जब उफान पर रहती है तो बड़ा तालाब में पानी जमा होता है। जब बड़ा तालाब पूरा भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। यह पानी सीधे कलियासोत डैम में पहुंचता है। जिससे इस डैम का लेवल भी बढ़ जाता है और फिर इसके गेट भी खुल जाते हैं। बड़ा तालाब को शहर की लाइफ लाइन कहा जाता है। इसकी वजह यह वाटर लेवल तो बेहतर रखता ही है। साथ में बड़ी आबादी की प्यास भी बुझाता है। बड़ा तालाब से हर दिन पुराने शहर समेत बैरागढ़ (संत हिरदाराम नगर) समेत आसपास के इलाकों की 3 लाख से ज्यादा आबादी को पानी की सप्लाई की जाती है। 20 प्रतिशत से ज्यादा इलाकों में पानी पहुंचता है। बड़ा तालाब से हर रोज 25 मिलियन गेलन पानी प्रतिदिन) सप्लाई होता है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1666.80 फीट है।

भोपाल के इन डैमों में इतना पानी

कोलार डैम का वाटर लेवल 1516.40 फीट है। अभी इसमें 1506.82 फीट पानी जमा है। इस हिसाब से यह काफी खाली है। कोलार डैम से ही भोपाल शहर के 40प्रति. हिस्से में पानी की सप्लाई की जाती है। पिछली बार जुलाई में इसके गेट खोलने पड़े थे। कुल 1673 फीट वाले केरवा डैम में अब तक करीब 1666.60 फीट पानी आ चुका है। तेज बारिश होने के बाद डैम में पानी का लेवल बढ़ जाएगा। कलियासोत डैम का अभी वाटर लेवल लगभग 1649.67 फीट है। इसकी कुल जलभराव क्षमता 1659.02 फीट है। इसके चलते डैम अभी भी करीब 9 फीट खाली है। बड़ा तालाब के गेट खुलने पर कलियासोत डैम में पानी आएगा और गेट खुल जाएंगे।

नीट यूजी का दूसरा राउंड 10 सितंबर से

भोपाल। मप्र मेडिकल शिक्षा आयुक्त कार्यालय, भोपाल ने एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों के लिए नीट-यूजी काउंसलिंग 2025 के दूसरे दौर की समय-सारणी जारी कर दी है। 10 सितंबर को खाली सीटों की सूची प्रकाशित की जाएगी। उसी दिन यानी 10 सितंबर को संशोधित मेरिट लिस्ट और पात्र उम्मीदवारों की सूची भी जारी होगी। इसके बाद 11 सितंबर से 14 सितंबर तक उम्मीदवार अपनी नई पसंद भर सकेंगे और चॉइस लॉक कर पाएंगे। यह प्रक्रिया सभी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य है, चाहे वे पहले राउंड में दाखिला ले चुके हों और अपग्रेडेशन चाहते हों। दूसरे राउंड का अलॉटमेंट रिजल्ट 16 सितंबर को घोषित किया जाएगा। इसके बाद 17 सितंबर से 24 सितंबर तक चयनित उम्मीदवारों को अपने अलॉटेड मेडिकल या डेंटल कॉलेज में दस्तावेज सत्यापन और प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। दूसरे राउंड में दाखिला लेने वाले और पहले राउंड से अपग्रेडेशन चुनने वाले उम्मीदवार 17 सितंबर से 27 सितंबर तक एमओपी-अप राउंड के लिए अपनी सहमति दर्ज कर सकते हैं। इसी अवधि में आनलाइन माध्यम से कालेज स्तर पर एडमिशन रद्द कराने या इस्तीफा देने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। कुल मिलाकर उम्मीदवारों के पास 27 सितंबर तक काउंसलिंग, अपग्रेडेशन और प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूरी करने का मौका रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि तय समय सीमा का पालन करना सभी छात्रों के लिए जरूरी होगा, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी से बचा जा सके।

भोजन नली में कैंसर से प्रभावित हिस्से को हटाया गया

एम्स में कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत, शुरू हुई थोरासिक ऑन्कोलॉजी की सुविधा

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स में कैंसर मरीजों के लिए बड़ी सुविधा शुरू की गई है। कैंसर उपचार के लिए सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग में थोरासिक ऑन्कोलॉजी सुविधा की शुरूआत की है। इस नई सुविधा की शुरूआत एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध ऑन्कोसर्जन डॉ. माधवानंद कर के नेतृत्व में हुई। चिकित्सकों ने बताया कि पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से एक जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई है। इसमें भोजन नली (इसोफेगस) में कैंसर से प्रभावित

हिस्से को हटाया गया और उसके स्थान पर पेट के हिस्से से बनाई गई नली को गले तक पहुंचाकर जोड़ा गया। यह सर्जरी थोरोस्कोपिक और लैप्रोस्कोपिक तकनीक से की गई, जिससे मरीज को बड़े चीरे से बचाया जा सका और जल्दी स्वस्थ होने की संभावना बढ़ी।

हर साल 20 हजार कैंसर मरीजों का होता है इलाज

जानकारी के मुताबिक एम्स भोपाल का सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग हर साल लगभग 20,000 कैंसर मरीजों का इलाज करता है। मध्यप्रदेश और आसपास के राज्यों से आने वाले इन मरीजों के लिए यह सुविधा वरदान साबित होगी क्योंकि अब उन्हें बड़े शहरों या दूर-दराज के कैंसर सेंटर्स जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

एम्स के निदेश एक बेहतरीन सर्जन

एम्स के वर्तमान निदेशक डॉ. माधवानंद कर एक बेहतरीन सर्जन हैं। शिक्षण और प्रशिक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने देशभर के कई एम्स को मार्गदर्शन दिया है और युवा चिकित्सकों छात्रों को लगातार प्रशिक्षित कर रहे हैं। उनका मानना है कि थोरासिक ऑन्कोलॉजी जैसी अत्याधुनिक सुविधा से इसोफेगस और फेफड़ों के कैंसर के मरीजों के लिए बेहतर परिणाम मिल सकेंगे।

छात्र पर बाघ का हमला, पैर घायल

जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी के पास की घटना

भोपाल। राजधानी के जागरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी कैम्पस के पास एक टाइगर ने छात्र पर हमला कर दिया। इससे छात्र का पैर बुरी तरह से घायल हो गया। डीएफओ लोकप्रिय भारती ने बताया, यह टाइग्रेस-123 का एक साल का शावक है। झपट्टा मारने के बाद टाइगर जंगल में चला गया। यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने को कहा है। वहीं ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं। टाइगर द्वारा इंसान पर हमले करने का यह राजधानी का पहला मामला है। मामला गुरुवार देर रात का है, लेकिन घटना से जुड़े वीडियो शनिवार को सामने आए। डीएफओ भारती के अनुसार, छात्र रात में कैम्पस और आसपास टहल रहा था। तभी यह मामला सामने आया। फुट प्रिंट के हिसाब से शावक जंगल में चला गया। आसपास सर्चिंग की गई है। शनिवार को भी वन विभाग की टीम मौके पर ही है। संस्थान को नोटिस देकर कहा गया है कि कैम्पस के आसपास तार फेंसिंग को व्यवस्थित कर लें। ताकि, आगे ऐसी घटना सामने नहीं आ सके। दोस्तों के साथ टहल रहा था छात्र छात्र मोहम्मद बोरा अपने दो अन्य दोस्तों के साथ टहल रहा था। तभी झाडि ?ों से निकलकर बाघ ने हमला कर दिया था। झपट्टा मारने से नाखून एक पैर में लग

गए। जिससे एक इंच का घाव हो गया। शोर मचाने और दोस्तों के खींचने से टाइगर झाडियों में चला गया। इसके बाद मोहम्मद बोरा को अस्पताल में इलाज कराने के लिए ले जाया गया। कलियासोत और केरवा के जंगल में कई टाइगर का मूवमेंट है। कई बार ये सडकों पर भी नजर आ चुके हैं।

सावधानी रखकर अतिरिक्त व्यवस्थाएं रखें अफसर

मुख्यमंत्री ने स्टेट सिचुएशन रूम से ली बाढ़ और बारिश की जानकारी, कहा...

- **मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को बाढ़ आपदा राहत का बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी को भी परेशान न होना पड़े। इसके लिए समुचित तैयारी रखें। आपदा मोचन दल क्विक रिस्पांस कर प्रभावितों को रेस्क्यू करें।**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मंत्रालय स्थित स्टेट सिचुएशन रूम से प्रदेश में हो रही वर्षा से उपजी परिस्थितियों एवं अनंत चतुर्दशी पर्व पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा कर वर्षा की जानकारी लेकर आपदा प्रबंधन एवं गणेश मूर्तियों के समुचित विसर्जन की व्यवस्थाओं का लाईव प्रदर्शन भी देखा। उन्होंने कहा कि सभी अलर्ट मोड में रहें और सतर्कता बरतें। कोई भी अप्रिय स्थिति निर्मित न होने पाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर उज्जैन, इंदौर, जबलपुर, रतलाम, ग्वालियर और भोपाल से वीसी से बात कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की सभी व्यवस्थाएं अपडेट रहें। पूरा अमला सजग रहकर देर रात तक यह काम पूरा कर लें। वर्षा की स्थिति में अतिरिक्त सावधानी रखें। आवश्यक हो तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचायें। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स को बाढ़ आपदा राहत का बेहतर प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण किसी को भी परेशान न होना पड़े।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने शनिवार को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर प्रदेश कार्यालय में विराजमान भगवान श्री गणेश जी का विधि विधान से पूजन-अर्चन व हवन कर प्रदेशवासियों एवं कार्यकर्ताओं के कल्याण की कामना की। तत्पश्चात गणेश जी की प्रतिमा का विधि विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष कांतदेव सिंह, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक एवं पूर्व कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र भूषण सिंह उपस्थित थे।

किसानों को ट्रैक्टर खरीदने में होगी 65 हजार की बचत

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीएसटी कटौती के फायदे बताए

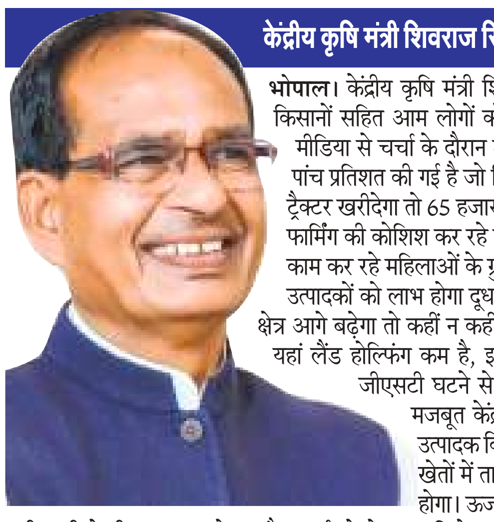

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जीएसटी में हुई कटौती से किसानों सहित आम लोगों को होने वाले फायदे बताए। भोपाल में शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि कृषि उपकरणों में जीएसटी घटाकर पांच प्रतिशत की गई है जो किसानों के लिए वरदान साबित होगी। किसान अगर ट्रैक्टर खरीदेगा तो 65 हजार रुपये को बचत होगी। उन्होंने कहा कि हम इंट्रीगेटेड फार्मिंग की कोशिश कर रहे है। जीएसटी घटने से दुग्ध उत्पादन में बड़ी संख्या में काम कर रहे महिलाओं के ग्रुप और लखपति दीदी को बड़ी ताकत मिलेगी। दुग्ध उत्पादकों को लाभ होगा दूध, घी मक्खन पर भी जीएसटी घटाया गया है। डेयरी क्षेत्र आगे बढ़ेगा तो कहीं न कहीं किसान ही लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे यहां लैंड होल्फिंग कम है, इसलिए किसान महंगे उपकरण नहीं खरीद सकता। जीएसटी घटने से छोटे उपकरण खरीद सकेगा। अर्थ व्यवस्था होगी मजबूत केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मछली उत्पादक किसान को भी इससे लाभ होगा। समुद्र ही नहीं अब तो खेतों में तालाब बनाकर मछली पालन हो रहा है, उन्हें भी लाभ होगा। ऊर्जा आधारित उपकरणों पर 12 से घटाकर 5 प्रतिशत जीएसटी से भी बड़ा लाभ होगा। सौर ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा। सीमेंट लोहे पर जीएसटी कम होने से पीएम आवास बनाना आसान होगा। देश कई चुनौतियों का सामना कर रहा है हमे अपनी अर्थ व्यवस्था को मजबूत करना है। दाम घटेंगे तो उत्पादन बढ़ेगा, हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। कई टैक्टर कंपनियों ने अभी से रेट कम कर दिए हैं।

फार्टिलाइजर की कमी नहीं कमी है तो केवल वितरण व्यवस्था की।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जहां फसल का नुकसान हुआ है, कलेक्टरों को कहा गया है की निरीक्षण कराकर नुकसान का मुआवजा दें। फार्टिलाइजर की कमी नहीं है, कमी है तो केवल वितरण व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई करेंगे। बिहार चुनाव के लिए जीएसटी घटाने के सवाल पर कहा कांग्रेस ने तो बच्चों की टाफी और खिलौनों पर भी टैक्स लगाया था। ट्रंप की मेहरबानी से जीएसटी घटाने के सवाल पर कहा कि विपक्ष तो हर कार्य में ट्रंप दिख रहा है। मप्र में किसानों की संख्या घटने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेती के अलावा बाकी कामों की तरफ भी बढना पड़ेगा। किसानों की संख्या में ज्यादा असर नहीं पड़ा है। हमने डिजिटल लगाई कांग्रेस द्वारा खाद की कमी को लेकर केंद्र और राज्य सरकार को घेरने पर शिवराज ने कहा कि कांग्रेस तो केवल लाइन लगाती थी।

भूमाफिया से लेकर अधिकारी भी जाएंगे जेल

भोपाल। शहर में शासकीय भूमि पर पक्के स्थायी निर्माण कर लाभ कमाने वाले भूमाफिया तो जेल जाएंगे ही, साथ ही जिन अधिकारियों के संरक्षण में ये पनप रहे हैं वह भी नपेंगे। राज्यमंत्री पशुपालन एवं डेयरी विभाग लखन पटेल ने बताया, कोकता ट्रांसपोर्ट नगर के पास स्थित पशुपालन विभाग की जमीन का सीमांकन पूरा कर लिया गया है। मुझे जानकारी मिली है यहां पर लोगों ने अतिक्रमण किए हैं। उनके दस्तावेज तक बनाए गए हैं। सभी बिंदुओं पर जांच कराई जा रही है। भूमाफिया पर कार्रवाई होगी, साथ ही अधिकारियों पर भी सख्ती बरती जाएगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों कोकता ट्रांसपोर्ट नगर और हथाईखेड़ा डैम के आसपास स्थित पशुपालन विभाग की 99 एकड़ जमीन के सीमांकन में 80 से अधिक पक्के अतिक्रमण मिले थे। यदि समय रहते विभाग सीमांकन करवाता और प्रशासन, नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी खसरा, खतौनी, बंटान आदि दस्तावेजों की जांच करवाते तो करोड़ों की जमीन पर कब्जे नहीं होते। ऐसे में इन अवैध कब्जों के लिए एसडीएम, तहसीलदार, आरआई, पटवारी सहित अन्य अधिकारी भी जिम्मेदार हैं। अब उनकी जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई की जानी चाहिए। यह बात प्रदेश के पशुपालन मंत्री लखन पटेल और भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कही है।

सात एकड़ से अधिक जमीन पर अतिक्रमण

गोविंदपुरा तहसीलदार सौरभ वर्मा की टीम द्वारा पशुपालन विभाग की 99 एकड़ जमीन का सीमांकन किया गया तो यहां पर करीब सात एकड़ से अधिक जमीन पर अतिक्रमण निकला। इसमें नगर निगम की 50 दुकानें, एसटीपी प्लांट आदि भी विभाग की जमीन पर बनाए गए हैं। ये दुकानें तत्कालीन निगमायुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी के समय पर बनवाई गईं थीं। तब तत्कालीन भोपाल कलेक्टर अविनाश लवानिया थे और प्रशासन ने सीमांकन कर जमीन नगर निगम को सौंपी थीं। विभाग की जमीन पर निगम की दुकानें आने के बाद से सवाल खड़े हो रहे हैं कि रिकार्ड में जब पशुपालन का रकबा था तो आरआइ, पटवारी ने किस आधार पर यह जमीन निगम की बता दी। ऐसे में अब दोनों विभागों के बीच नोकझोंक की स्थिति बनी हुई है। यही कारण है कि पशुपालन विभाग ने जिला प्रशासन को जमीन अतिक्रमणमुक्त करवाकर सौंपने के लिए कहा है।

सभी अतिक्रमणकारियों को जारी होंगे नोटिस

विभाग की जमीन पर पेट्रोल पंप, स्कूल, रिसार्ट, शादी हाल, फार्म हाउस, 20 मकान, 50 दुकान, एसटीपी प्लांट, डायमंड सिटी, कोर्टयार्ड प्राइम, कोर्टयार्ड कस्तूरी, राजधानी परिसर आदि का अतिक्रमण है। इन सभी को तहसीलदार द्वारा संभवतः प्रकरण बनाकर सोमवार से नोटिस जारी किए जाएंगे। नोटिस सीमा के दौरान यदि ठोस दस्तावेज न्यायालय में नहीं दिए गए तो पक्के निमार्णों को तोडने की कार्रवाई प्रशासन द्वारा की जाएगी।

निगम की 100 एकड़ से ज्यादा जमीन

तत्कालीन निगमायुक्त केवीएस चौधरी कोलसानी ने बताया कि मेरे समय दुकानों का निर्माण कराया गया था, यह निगम की जमीन है। इसी से लगी हुई पशुपालन विभाग की जमीन है। अब सीमांकन में दुकानें उनकी जमीन में बताई गई हैं जो समझ नहीं आ रहा है। कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में नगर निगम भोपाल के पास 100 एकड़ से अधिक जमीन और कई दुकानें हैं। सांसद आलोक शर्मा ने कहा, वर्जन राजधानी में शासकीय जमीनों पर भूमाफिया ने जमकर कब्जे किए हैं और यह एक दो नहीं बल्कि 50 से 100 एकड़ में कब्जे हैं।

नम आंखों से गणपति बप्पा की विदाई

6 घाटों पर क्रेन से बड़ी मूर्तियों का विसर्जन; 33 जगहों पर कुंड-स्टॉल बने

__भोपाल।__ अनंत चतुर्दशी पर शनिवार सुबह से गणपति बप्पा की विदाई का क्रम शुरू हो गया। भक्तों ने नम आंखों से अंतिम आरती और दर्शन कर बप्पा का भारी मन से विसर्जन किया। नगर निगम ने भी प्रतिमाएं विसर्जित करने के लिए एकत्रित की। पौ फटते ही गणपति बप्पा मोर्या, अगले बरस तू जल्दी के जयकारों के साथ विघ्नहर्ता मंगलकर्ता भगवान श्रीगणेश की विदाई घरों के साथ सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडालों में दी जाने लगी। घरों में सभी ने सपरिवार बप्पा की अंतिम आरती की। बप्पा के जाने से बच्चे सर्वाधिक दुःखी नजर आए। वहीं प्रतिमाओं के विसर्जन की शोभायात्रा युवाओं ने बाजे-गाजे के साथ निकाली और गजानन को विदा किया। सभी के चेहरे पर खुशी के साथ बप्पा की विदाई का गम भी था। कई लोगों की आंखें तो बप्पा को जल में विसर्जित करते समय नम हो गईं। भोपाल के 6 बड़े घाटों पर शनिवार सुबह से ही गणेश मूर्तियों का विसर्जन शुरू हो गया है। बड़ी मूर्तियों को क्रेन और छोटी को कुंड में विसर्जित किया जा रहा है। वहीं, शहर में कुल 33 जगहों पर कुंड और स्टॉल बने हैं। जहां लोग ढोल-ढमाकों के साथ बप्पा को विदाई दे रहे हैं। देर रात तक मूर्तियों का विसर्जन चला। यहां सीसीटीवी कैमरे रहेंगे तो गोताखोर और पुलिसकर्मी 24 घंटे तैनात किए गए हैं। डोल ग्यारस (एकादशी) से निगम, प्रशासन और पुलिस अमला घाटों पर तैनात हो गया था, जो 8 सितंबर तक रहेगा। पूर्व में हुए हादसों को देखते हुए पानी में उतरकर मूर्ति विसर्जित करने की मनाही रहेगी। बड़ी मूर्तियों के लिए सभी घाटों पर क्रेन मौजूद है। पूजा-अर्चना के बाद लोग क्रेन पर मूर्ति रख रहे हैं, फिर तालाब में विसर्जित किया जा रहा है। छोटी मूर्तियों के लिए यहीं पर कुंड भी बने हैं। पिछले दो दिन से मूर्तियों का विसर्जन हो रहा है, लेकिन शनिवार को लाखों मूर्तियां विसर्जित होंगी। वार्ड-जोन स्तर पर विसर्जन कुंड भी बने विसर्जन घाटों पर भीड़ कम से कम हो, इसके लिए नगर निगम की ओर से बड़े घाट के रूटों पर वार्ड और जोन स्तर पर जगह-जगह विसर्जन कुंड बनाए हैं। इसके लिए अलग-अलग इलाकों के प्रमुख तिराहे और चौराहों समेत मुख्य रूट पर 100 से ज्यादा विसर्जन कुंड बने हैं। यहां भी छोटी मूर्तियों के विसर्जन की व्यवस्थाएं की गई हैं। इस दौरान लोगों की धार्मिक भावनाओं का भी ध्यान रखा जा रहा है। वहीं खटलापुरा, प्रेमपुरा, संत हिरदाराम नगर बैरागढ़, हथाईखेड़ा डैम, शाहपुरा एवं आर्च ब्रिज के घाट पर मूर्तियों का विसर्जन किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जेलेंस्की के बाद क्या पुतिन से फिर बात करेंगे?

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष साढ़े तीन साल से अधिक समय से जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप शांति बहाली के प्रयास कर रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में उन्होंने व्हाइट हाउस में टेक लीडर्स डिनर के दौरान रूसी समकक्ष से एक और मुलाकात के संकेत दिए। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वे यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की से बातचीत के बाद जल्द ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी बात करेंगे? इस पर ट्रंप ने कहा, हां, हमारा बहुत अच्छा संवाद हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक डिनर के दौरान ट्रंप अपनी पत्नी और अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और दिग्गज सोशल मीडिया कंपनी- मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच बैठे थे। मेलानिया ने नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एजुकेशन टास्क फोर्स को लेकर हुई बैठक की अध्यक्षता की। ट्रंप ने उद्योगपतियों से अमेरिकी निवेश पर चर्चा की। जुकरबर्ग ने 2028 तक 600 अरब डॉलर निवेश का अनुमान जताया।

ब्राजील में मुठभेड़, पुलिस ने मार गिराए आठ गैंग सदस्य

रियो डी जनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जनेरियो में पुलिस ने एक ड्रग तस्करी गिरोह पर छापेमारी के दौरान हुई मुठभेड़ में आठ गैंग सदस्यों को मार गिराया। एनकाउंटर के बाद एक पादरी व एक बच्चे को बंधक से मुक्त करा लिया गया। कार्रवाई का लक्ष्य प्योर थर्ड कमांड गिरोह और उसका सरगना कोरोनेल था, जिस पर एक महिला की हत्या का आरोप है। पुलिस ने बताया कि कुछ अपराधियों ने बस को बैरिकेड बनाने की कोशिश की, जिनमें से दो को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में चार राइफलें बरामद हुईं। गोलीबारी से स्कूल बंद हो गए, यातायात बाधित हुआ और शहर में दहशत का माहौल बन गया।

कांगो में इबोला का संक्रमण फैला, 15 की मौत

किंशासा , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि वहां इबोला का संक्रमण फैल गया है और इसकी चपेट में आए 28 लोगों में से 15 लोगों की मौत हो गई है। कांगो में 16वीं बार है, जब इबोला का संक्रमण फैला है। इस बीमारी में मृत्यु दर करीब 53 प्रतिशत है, जो हालात की गंभीरता दर्शाती है। कांगो के बौलापे में इबोला से 14 और म्वेका में एक मरीज की मौत हुई है। मरने वालों में चार स्वास्थ्यकर्मी हैं। इबोला के लक्षणों में बुखार, उल्टी, दस्त और भारी रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई दिए। इबोला वायरस बेहद संक्रामक है और उल्टी, रक्त या वीर्य जैसे शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से फैल सकता है। इससे संक्रमित मरीज की जान जाने का खतरा रहता है।

नारीवादी कार्यकर्ता को ईशनिंदा में ढाई साल जेल

रबात , एजेंसी।मोरक्को की एक अदालत ने प्रख्यात नारीवादी और एलजीबीटीक्यू अधिकार कार्यकर्ता इब्तिस्साम लश्गार को ईशनिंदा का दोषी ठहराते हुए ढाई साल की कैद और 5,000 डॉलर का जुर्माना सुनाया है। फैसले ने मोरक्को में बहस छेड़ दी है। जहां कुछ लोग इसे सही मान रहे हैं, वहीं कुछ इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा बता रहे हैं। लश्गार पर आरोप था कि उन्होंने ऐसी टी-शर्ट पहनकर सेल्फी साझा की, जिस पर लिखे संदेश को इस्लाम व राजशाही का अपमान माना गया।

ट्रंप की अमेरिकी कांग्रेस पर और मजबूत हुई पकड़

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्रीष्मकालीन अवकाश के अंतिम दिनों में रिपब्लिकन राष्ट्रीय समिति के मुख्यालय में सभी स्टाफ सदस्यों की बैठक हुई। यह सिर्फ सामान्य सियासी रणनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कांग्रेस पर गहरी पकड़ का प्रदर्शन था। ट्रंप की राजनीतिक टीम ने रिपब्लिकन स्टाफ को सुबह वन ब्यूटीफुल बिल एक्ट व आगामी मध्यावधि चुनाव के मुद्दे पर बैठक में बुलाया। इस बैठक में रिपब्लिकन बहुमत (सांसद) एक शक्तिशाली कार्यपालिका के इशारों पर चलता दिखाई दिया।

सीनेट समिति की केनेडी से पूछताछ

कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का किया बचाव किया; ट्रंप बोले- उसकी नीयत अच्छी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. केनेडी जूनियर को गरुवार को सीनेट की समिति के सामने तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। तीन घंटे तक चले सवाल-जवाब में केनेडी ने कोरोना वैक्सीन पर अपने रुख का बचाव किया। उन्होंने उन आरोपों पर भी सफाई दी, जिनमें कहा जा रहा था कि उनके फैसलों से संघीय स्वास्थ्य एजेंसियों में अशांति फैल गई है।

केनेडी ने समिति को बताया कि उन्हें रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की पूर्व निदेशक पर भरोसा नहीं था। उन्होंने वैक्सीन के खिलाफ अपने पुराने बयानों को जायज ठहराया और उन खबरों का खंडन किया, जिनमें कहा जा रहा था कि कोरोना वैक्सीन लेने से लोगों को परेशानी हो रही है। केनेडी लंबे समय से वैक्सीन विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य नीतियों और वैज्ञानिक शोध के लिए जिम्मेदार एजेंसियों में बड़े बदलाव किए हैं। इनमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी, वैज्ञानिक सलाहकारों को हटाना और वैक्सीन से जुड़े दिशानिर्देशों में बदलाव करना भी शामिल है।

उनके इन कदमों से कई डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों की स्वास्थ्य संस्थाओं की चिंता बढ़ गई है। कई चिकित्सा संगठनों और कांग्रेस (संसद) के डेमोक्रेट सांसदों ने केनेडी को पद से हटाने की मांग की है। समिति के सामने पूछताछ के दौरान डेमोक्रेट सांसदों और केनेडी के बीच तीखी बहस हुई।

हालांकि, कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने भी कोविड नीति में बदलाव पर चिंता जताई। रिपब्लिकन सांसदों ने याद दिलाया कि केनेडी ने एक ओर तो ट्रंप को ऑपरेशन वार्प स्पीड (कोविड वैक्सीन को तेजी से विकसित करने और उसे लोगों तक पहुंचाने का सरकारी कार्यक्रम) के लिए नोबेल पुरस्कार का हकदार बताया था। वहीं, दूसरी ओर एमआरएनए वैक्सीन की सुरक्षा और इस्तेमाल पर सवाल उठाए थे। यानी केनेडी एक तरफ ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं और दूसरी दरफ उसी वैक्सीन पर सवाल उठा रहे हैं, जो ट्रंप की सरकार में बनाई गई थी।

नॉर्थ कैरोलिना से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद थॉम टिलिस ने कहा, यह समझ में नहीं आता कि आप ऑपरेशन वार्प स्पीड का समर्थन करते हैं या विरोध। टिलिस और अन्य सांसदों ने केनेडी से पूछा कि हाल ही में सीडीसी की नई निदेशक को क्यों हटाया गया, जबकि वह केवल एक महीने पहले पद पर आई थीं। केनेडी ने जवाब दिया कि निदेशक ईमानदार नहीं थीं और उनके समर्थन में इस्तीफा देने वाले सीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी पद छोड़ने लायक थे। इन सांसदों ने सीडीसी की लॉकडाउन और मास्क लगाने जैसी नीतियों की आलोचना की और दावा किया कि ये कदम बीमारी को रोकने में विफल रहे। केनेडी ने कहा, जिन अधिकारियों ने केवल बच्चों को मास्क पहनाए, स्कूल बंद किए, उन्हें अब एजेंसी बाहर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन अधिकारियों ने क्रोनिक बीमारियों को रोकने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया। बाद में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें केनेडी पर पूरा भरोसा है, तो राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने यह पूछताछ नहीं देखी, लेकिन उनका मानना है कि केनेडी की नीयत अच्छी है। ट्रंप ने कहा, उनका अलग दृष्टिकोण है, लेकिन हमें हर दृष्टिकोण को देखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह पारंपरिक बातें नहीं हैं औ यह स्वास्थ्य से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बात की सराहना करते हैं कि केनेडी अलग दृष्टिकोण रखते हैं। सीनेट की वित्त समिति ने अमेरिका को फिर से स्वस्थ बनाने की योजना पर चर्चा के केनेडी को बुलाया था, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने ज्यादातर सवाल उनकी कोरोा वैक्सीन से जुड़ी नीति को लेकर पूछे।

छुपकर स्विट्ज़रलैंड गई महिला ने अपनाया दर्दनाक फैसला

स्विट्जरलैंड , एजेंसी।
आयरलैंड की 58 वर्षीय मॉरीन स्लो ने परिवार को छुट्टियों पर जाने का झूठ बोलकर चुपचाप स्विट्जरलैंड जाकर सहायता प्राप्त आत्महत्या कर ली। मॉरीन ने इस प्रक्रिया के लिए करीब 17 लाख रुपये खर्च किए और महज दो दिन में अपनी जिंदगी समाप्त कर ली। उनके इस अचानक और गुप्त फैसले ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है और स्विट्जरलैंड की संस्था पेगासस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

8 जुलाई को मॉरीन ने अपने परिवार को बताया था कि वह एक दोस्त के साथ छुट्टियां मनाने लिथुआनिया जा रही हैं। लेकिन वास्तव में वह अकेले स्विट्जरलैंड के लिस्टल शहर में स्थित पेगासोस नामक एक गैर-लाभकारी संस्था के पास गईं, जो असिस्टेड सुसाइड की सुविधा देती है। मॉरीन ने इसके लिए लगभग 15,000 पाउंड (करीब ?17.76 लाख) का भुगतान किया था। हैरान करने वाली बात यह है कि संस्था ने महज दो दिनों में उन्हें आत्महत्या की अनुमति दे दी। मॉरीन की मौत की जानकारी परिवार को तब मिली जब उनकी एक करीबी दोस्त ने 9 जुलाई की रात 10 बजे के करीब उनकी बेटी मेगन रॉयल को एक मैसेज भेजा। मेगन ने आयरिश इंडिपेंडेंट से कहाऱ्मैं अपने बच्चे के साथ बिस्तर पर थी, तभी मेरी मां की एक दोस्त का मैसेज आया कि मेरी मां स्विट्जरलैंड में हैं और आत्महत्या करना चाहती हैं। मैं डर गई थी। मेगन ने तुरंत अपने पिता को इसकी सूचना दी और उन्होंने मॉरीन से संपर्क करने की कोशिश की। फोन पर बात करते हुए मॉरीन ने कहा कि वह वापस आ जाएंगी, लेकिन अगले दिन दोपहर 1 बजे संस्था से एक व्हाट्सएप मैसेज मिला जिसमें बताया गया कि मॉरीन की मृत्यु हो चुकी है। उसी मैसेज में यह भी बताया गया कि उनकी अस्थियां 6-8 सप्ताह के भीतर डाक से भेजी जाएंगी।

दुबई में दिखा डॉली चायवाला का जलवा! लड़कियों की भीड़ देख लोग बोले- डिग्री का अचार डाल लो

दुबई, एजेंसी। रंग-बिरंगे बाल, अतरंगी स्टाइल और चाय बनाने का अनोखा अंदाज... डॉली चायवाला आज सिर्फ एक चाय बेचने वाला नहीं बल्कि एक सेलिब्रिटी बन चुका है। सोशल मीडिया की ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जो डॉली कल तक ग्राहकों को बुलाकर चाय पिलाता था आज लोग उसके साथ एक फोटो खिंचवाने के लिए कतार में खड़े हैं। हाल ही में डॉली चायवाला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो दुबई का है जहां डॉली चायवाला को देखने और उसके साथ तस्वीरें लेने के लिए खूबसूरत अमीराती लड़कियों की भीड़ लगी हुई है। वीडियो में डॉली सूट-बूट पहने और सोने के लॉकेट व अंगूठियां पहनकर एक बॉलीवुड सेलिब्रिटी की तरह लड़कियों के बीच पोज देता नजर आ रहा है। बिल गेट्स को चाय पिलाने के बाद डॉली की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अब वह सिर्फ भारत में नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी लोकप्रिय हो गया है। यह वायरल वीडियो सोशल मीडिया पर बहस का मुद्दा बन गया है।

युद्धविराम के बाद यूक्रेन में सैनिक तैनात करने के लिए 26 देश तैयार, सुरक्षा गारंटी पर पेरिस में हुई बैठक

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं ने गुरुवार को पेरिस में अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त विशेष दूत स्टीव विटकोफ के साथ बैठक की। इसमें युद्धग्रस्त यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर चर्चा की गई।

फ्रांसीसी राष्टपति इमैनुएल मैक्रों ने बताया कि युद्धविराम के बाद यूक्रेन अपने सैनिक तैनात करने के लिए 26 देश तैयार हैं। यह बैठक यूक्रेन में रूसी हमलों के बीच हुई। रूसी वायुसेना ने बताया कि बीती रात रूस ने यूक्रेन में 112 ड्रोन से हमले किए। इनमें से 84 ड्रोन को मार गिराया गया।

ट्रंप के विशेष दूत ने युद्धविराम की स्थिति पर चर्चा की: यूक्रेनी राष्टपति के प्रेस सचिव सेरही निकीफोरोव के अनुसार, जेलेंस्की और विटकोफ के बीच अलग से बैठक भी हुई। ट्रंप के विशेष दूत ने युद्धविराम की स्थिति में यूक्रेन के लिए सहायता के अलावा सैन्य समर्थन की योजनाओं का खाका तैयार करने के लिए यूरोपीय नेताओं की बैठक बुलाई थी।

यूक्रेन के समर्थन में गठबंधन की अगुआई करने वाले मैक्रों और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन में किसी यूरोपीय बल की मौजूदगी के लिए अमेरिका के समर्थन की जरूरत है।

26 देश एक अंतरराष्टीय बल में शामिल होने के लिए तैयार: मैंकों ने बैठक के बाद जेलेंस्की के साथ पत्रकारों को बताया कि रूस के साथ शांति समझौता होने की स्थिति में यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के तहत 26 देश एक अंतरराष्टीय बल में शामिल होने के लिए तैयार हैं। इधर, जर्मनी ने यूक्रेनी बलों के लिए फंडिंग और ट्रेनिंग बढ़ाने के लिए सहमति जताई है।

अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को यूरोपीय नेताओं से कहा कि यूरोप को रूस से तेल खरीदना बंद करना चाहिए, क्योंकि इससे मास्को को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए धन जुटाने में मदद मिल रही है। जबकि ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ट्रंप और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में बातचीत हुई थी: उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन और उनके यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच सीधी वार्ता की संभावना पर अनिश्चितता के बादल छाए हैं। ट्रंप और पुतिन की पिछले महीने अलास्का में बातचीत हुई थी।

राष्ट्रपति माइली के एजेंडे को बड़ा झटका, सीनेट में विकलांगता से लाभ पर वीटो 63-7 से खारिज

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी।
अर्जेंटीना की सीनेट ने राष्ट्रपति जेवियर माइली के विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले कानून पर लगाया गया वीटो खारिज कर दिया है। यह माइली के राष्ट्रपति पद के दौरान पहली बार कांग्रेस द्वारा उनके वीटो को उलटने वाला मामला है। उच्च सदन ने 63-7 के बहुमत से इस फैसले को मंजूरी दी, जो जरूरी दो-तिहाई से कहीं अधिक है।

मीडिया रिपोर्ट की माने तो विकलांगता लाभ बढ़ाने वाले इस नए कानून से देश के खर्च में बढ़ोतरी होगी, लेकिन इसके समर्थक इसे विकलांग परिवारों के जीवन के लिए जरूरी मानते हैं। सीनेटर अलेजांद्रा विगो ने कहा कि यह खर्च परिवारों के लिए जीवन और निराशा के बीच का फर्क तय करेगा।

देखा जाए तो यह हार माइली के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि उनकी सरकार पहले से ही भ्रष्टाचार के एक मामले और कमजोर होती अर्जेंटीना की मुद्रा पेसो से जूझ रही है। खासकर, उनके करीबी लोगों पर विकलांगता एजेंसी में रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए ब्याज दरें बढ़ानी पड़ी हैं।

पिछले महीने किए थे ये प्रस्ताव पास: बता दें कि पिछले महीने भी सीनेट ने स्वास्थ्य सेवा और विश्वविद्यालयों पर खर्च बढ़ाने वाले दो अन्य बिल पास किए थे, जो माइली के बजट संतुलन की योजना के लिए चुनौती हैं। कई सर्वेक्षणों में उनकी लोकप्रियता 40 प्रतिशत से नीचे गिर गई है, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अर्जेंटिना में प्रांतीय चुनाव से बाजार में हलचल: अर्जेंटीना में आर्थिक अनिश्चितता के बीच, रविवार को ब्यूनस आयर्स में प्रांतीय चुनाव होने जा रहे हैं, जो राष्ट्रीय राजनीति पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे, लेकिन बाजारों में हलचल बढ़ा सकते हैं। कारण है कि राष्ट्रपति माइली की पार्टी 'ला लिबर्टाड अवांजा' के पास संसद में बहुत कम सीटें हैं, इसलिए उन्हें अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए और समर्थन जुटाना होगा।

नेपाल में बड़ा डिजिटल स्ट्राइक

फेसबुक-यूट्यूब समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद

काठमांडो, एजेंसी।
नेपाल सरकार ने फेसबुक, ट्विटर (एक्स), यूट्यूब समेत कुल 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बंद करने का फैसला किया है। यह निर्णय मंत्रि परिषद की बैठक तथा सुप्रीम कोर्ट के परमादेश के कार्यान्वयन स्वरूप सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को लिया। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय में हुई बैठक में नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण को इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिए पत्राचार किया गया है।

यदि ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नेपाल में आधिकारिक रूप से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करते हैं तो उन्हें क्रमशः पुनः संचालन की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने बिना अनुमति संचालित सोशल मीडिया, ओवर द टॉप एप्स और इंटरनेट ब्राउजर के माध्यम से विज्ञापन सहित प्रसारित सामग्री पर रोक लगाने तथा इनके नियमन हेतु आवश्यक कानून बनाने का आदेश सरकार को दिया था।

जस्टिस टेकप्रसाद ढुंगाना और जस्टिस शांति सिंह थापा की पीठ ने बुधवार को यह परमादेश जारी करते हुए कहा था कि विदेशी प्रसारण संस्थाओं को नेपाल में प्रसारण के लिए अनुमति लेनी होगी तथा सरकार को इसके लिए कानून निर्माण करना अनिवार्य है।

ट्रम्प की डिनर पार्टी में शामिल हुए दिग्गज टेक बिजनेसमैन

मस्क को न्योता नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति बोले- ये हाई आईक्यू ग्रुप

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में टेक बिजनेसमैन के लिए डिनर रखा। इसमें गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, मेटा सीईओ मार्क जुकरबर्ग, ओपन एआई सीईओ सेम ऑल्टमैन, समेत कई दिग्गज उद्योगपति शामिल हुए। हालांकि, टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क को न्योता नहीं दिया गया । ट्रम्प ने कहा- ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था, जब इतने सारे बुद्धिजीवी एकसाथ मिले हों। उन्होंने इस टीम को हाई आईक्यू ग्रुप कहकर संबोधित किया। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के मुताबिक यह डिनर प्रेसिडेंट हाउस के रोज गार्डन में होना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण यह स्टेट डाइनिंग रूम में किया गया।

मस्क को नहीं मिला न्योता

मस्क कुछ महीने पहले तक ट्रम्प के सलाहकार थे, लेकिन अब दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इस डिनर में जेरेड इसाकमैन भी रहे। इसाकमैन ही वह शख्स हैं जिनकी वजह से मस्क और ट्रम्प के बीच दूरियां आनी शुरू हुईं। इसाकमैन मस्क के करीबी सहयोगी रहे हैं। उन्हें ट्रम्प ने स्पेस एजेंसी नासा की लीडरशिप के लिए चुना था। जब ट्रम्प और मस्क के बीच दूरी आ गई, तो इसाकमैन का नॉमिनेशन रद्द कर दिया गया।

मेलानिया ट्रम्प ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की

डिनर का आयोजन व्हाइट हाउस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शिक्षा पर बनी नई टास्क फोर्स की बैठक के बाद हुई। टास्क फोर्स का मकसद अमेरिकी युवाओं के लिए,ढ शिक्षा का विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेलानिया ट्रम्प ने की। मेलानिया ने कहा कि एआई अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसके साथ वैसा ही व्यवहार करना होगा जैसा बच्चों के साथ किया जाता है। इसे सतर्कता के साथ जिम्मेदार बनाना होगा। मेलानिया ने कहा कि हम एक खास समय में जी रहे हैं। बच्चों को इस भविष्य के लिए तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है। पिछले महीने, मेलानिया ने के-12 ग्रेड के छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता शुरू की, जिसमें एआई का उपयोग करके चुनौतियों का समाधान करने को कहा गया। हालांकि, उन्होंने एआई के नुकसान पर भी ध्यान दिया। मेलानिया ने इस साल एआई-जनरेटेड डीपफेक इमेज का इस्तेमाल कर ऑनलाइन यौन शोषण करने वालों के खिलाफ कानून बनाने की मांग की थी।

खराब मौसम के कारण इस डिनर का प्लान अचानक बदला था। पहले जहां ये डिनर होने वाला था, व्हाइट हाउस ने उस जगह को 'रोज गार्डन क्लब' नाम दिया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता डेविस इंगले ने इसे सिर्फ राजधानी वॉशिंगटन ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे आकर्षक जगह बताया।

इंगले ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प चाहते थे कि रोज गार्डन का भव्य उद्घाटन किसी खूबसूरत दिन हो। इसके लिए गार्डन में बड़े बदलाव किए गए हैं। घास हटाकर उसकी जगह पत्थर बिछा दिए गए हैं, जिससे यह जगह फ्लोरिडा के मार-ए-लागो रिसॉर्ट के आंगन जैसी लगती है।

इस काम की खुद राष्ट्रपति ने कई बार जांच की और मजदूरों से मुलाकात की। एक बार तो उन्होंने मजदूरों को ओवल ऑफिस में बुलाकर फोटो भी खिंचवाई। ट्रम्प ने कहा कि रोज गार्डन बनाने में दुनिया का सबसे खूबसूरत संगमरमर और पत्थर का इस्तेमाल किया गया है।

सीएम स्टालिन ने ऑक्सफोर्ड में पेरियार के चित्र का अनावरण किया

ऑक्सफोर्ड, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ब्रिटेन की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ऑक्सफोर्ड में समाज सुधारक ई.वी रामासामी पेरियार के चित्र का अनावरण किया। आत्म सम्मान आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सीएम स्टालिन ने भी शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान स्टालिन ने कहा कि पेरियार के चित्र का ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में, जो ज्ञान, मानवाधिकार और गरिमा का पर्याय है, अनावरण करना सबसे यादगार क्षण है और बड़े ही सम्मान की बात है।

श्री अग्रसेन जी महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 18वीं महाआरती सोमवार को

भोपाल| नगर संवाददाता

अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्री अग्रसेन महाराज और कुलदेवी माता लक्ष्मी की महाआरती चैत्र नवरात्र 2024 से

प्रारंभ की गई थी। जो कि महीने के प्रथम रविवार को अग्रसेन वाटिका, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में आयोजित की जा रही है। अभी तक सतरहा महाआरती सम्पन्न हो चुकी है। अठाहरवीं महाआरती सोमवार 8 सितंबर 2025 को सायं 6 बजे होगी। मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता एवं विनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार रविवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण आरती सोमवार को की जा रही है। श्री अग्रसेन महाराज जी के करूणामीय स्वभाव, एक ईंट-एक रूपया से समाजवाद के प्रथम प्रणेता, युग पुरूष, महादानी एवं राम राज्य के समर्थक के सिद्धांतों को अपनाकर एवं समाज के कल्याण की भावना के साथ ही बच्चों को श्री अग्रसेन महाराज जी के जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से महाआरती का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। समस्त अग्रबंधुओ से निवेदन है कि सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

शिक्षक हमारे जीवन में दीपक की तरह हैं, जो स्वयं तपकर हमें ज्ञान का प्रकाश देते हैं : गोविंद सिंह राजपूत

बीना में मेधावी छात्र-छात्राओं और श्रेष्ठ शिक्षकों के सम्मान समारोह में शामिल हुए खाद्य मंत्री

भोपाल| नगर संवाददाता

मध्यप्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शिक्षकों की भूमिका को अतुलनीय बताते हुए कहा है कि शिक्षक हमारे जीवन में दीपक की तरह हैं, जो स्वयं तपकर हमें ज्ञान का प्रकाश देते हैं। वे हमें न केवल शिक्षा देते हैं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा भी देते हैं। शिक्षकों का सम्मान जितना भी किया जाए, कम है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने यह बात शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सागर जिले के बीना में स्थानीय विधायक निर्मला सप्रे द्वारा आयोजित मेधावी छात्र-छात्राओं और श्रेष्ठ शिक्षकों के सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश और मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ, जिसके बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुती दीं। इस अवसर पर श्रेष्ठ शिक्षकों और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि 12वीं के बाद कॉलेज के 5 वर्ष जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सलाह दी कि विद्यार्थी कॉलेज और यूनिवर्सिटी का चयन सावधानीपूर्वक करें, क्योंकि आजकल कई संस्थान केवल फीस लेकर डिग्री प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कॉलेज में प्रवेश लें और शिक्षा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट पर ध्यान दें, जो स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगा। समारोह को संबोधित करते हुए खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने युवाओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा, कि आज का युग बदल चुका है। पहले टैलेंट अनुभव और उम्र के साथ आता था, लेकिन अब युवा 25-26 वर्ष की आयु में ही अपनी प्रतिभा के दम पर बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ बन रहे हैं और अरबों-खरबों की कंपनियां स्थापित कर रहे हैं। कार्यक्रम में बीना विधायक निर्मला सप्रे ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों से कहा कि वह भी मन लगाकर पढ़ाई करें और अपने विद्यालय के साथ अपने परिवार का नाम रोशन करें। विधायक निर्मला सप्रे ने कहा कि उनकी इच्छा है कि बीना से ऐसे मेधावी छात्र छात्राएं निकले जो प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर बड़े प्रशासनिक पदों पर पहुंचे और बीना का नाम रोशन करें।

शिक्षक होना आसान नहीं होताः अरुणोदय चौबे

इस अवसर पर पूर्व खुरई विधायक अरुणोदय चौबे नए शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षक अपने खून से पेन में स्याही भर कर विद्यार्थियों का भविष्य लिखते हैं। शिक्षक होना आसान नहीं होता वह पहले स्वयं पढ़ते हैं और फिर विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं। शिक्षा की देश की नींव होते हैं। पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने इन्हें किया सम्मानित

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने सेवानिवृत्त शिक्षक पंडित बृजमोहन शास्त्री का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। साथ ही, कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इनमें कक्षा 10वीं में सुमबुल खान, धैर्य चौबे, अभय कुर्मी और कक्षा 12वीं में यशोदा विश्वकर्मा, आकांक्षा कुर्मी, मयंक कुशवाहा शामिल रहे। इन सभी को चेक, शील्ड और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 500 से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के प्राचार्यों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें शास. सांदीपनि विद्यालय, बीना और कक्षा 12वीं में शास. हाईस्कूल करोंदा, और शास. हाईस्कूल पार को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

जीएसटी सुधारों से भारतीय अर्थ-व्यवस्था होगी गतिशील : देवड़ा

उदयोग मजबूत होंगे, निवेश बढ़ेगा, रोजगार के होंगे अवसर सृजित, बाजारों की बढ़ जायेगी रौनक

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जीएसटी स्लैब को चार से घटा कर दो करने के ऐतिहासिक निर्णय को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये क्रांतिकारी बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। श्री देवड़ा ने कहा कि जीएसटी की दरों को और अधिक तार्की?क और सरल बनाने का जो ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लिया है वह सिर्फ कर ढांचे में सुधार नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था को नई गति देनेवाला दूरदर्शी कदम है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू करने का निर्णय भारत की अर्थव्यवस्था की गति को और तेजी से बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से उदयोग और व्यापार जगत को बड़ी राहत मिलेगी। छोटे और मध्यम उदयोगों की लागत घटेगी और वे ज्यादा से ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनेंगे। उन्होंने कहा कि उत्पादन और वितरण तंत्र सरल और किफायती होगा। उपभोक्ताओं को

आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं पहले की तुलना में अधिक उचित दाम पर मिलेंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि बढ़ती हुई करदाताओं की संख्या न केवल कर संग्रहण और अर्थवयवस्था को विधिसंगत बनाती है, साथ ही यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और कर प्रणाली पर बढ़ते विश्वास को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और सरल बनेगी। ईमानदार करदाताओं को सुविधा होगी। अनुपालन आसान होगा और प्रशासनिक जटिलताएं कम होंगी। इससे निवेश बढ़ेगा और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी। साथ ही कर विवाद कम होने से कर अववंचन में भी कमी आयेगी।

सहकारिताओं के बीच सहकार' की नीति से आवास संघ को बनाया जाएगा सुदृढ़ : सारंग

मंत्री श्री सारंग ने की मप्र राज्य सहकारी आवास संघ की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ मर्यादित की गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आवास संघ को एक सशक्त निर्माण एजेंसी के रूप में स्थापित करने के लिए ठोस और दूरदर्शी कार्ययोजना तैयार की जाए।

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों को पत्र लिखकर उनकी निधि से किए जाने वाले निर्माण कार्य आवास संघ को दिए जाने हेतु आग्रह करें। उन्होंने कहा कि ÷सहकारिताओं के बीच सहकार÷ की भावना को मूर्त रूप देते हुए सहकारिता विभाग के अंतर्गत राज्य संघ, उपभोक्ता संघ एवं अन्य सहकारी संस्थाओं से संबंधित सभी निर्माण कार्यों के लिए आवास संघ को नोडल एजेंसी बनाया जाए।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एम-पैक्स से जुड़े निर्माण कार्य भी आवास संघ को ही सौंपे जाएं। उन्होंने आवास संघ की गतिविधियों के विस्तार के लिए सभी सहकारी सोसाइटियों को सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए इस दिशा में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में आयुक्त एवं पंजीयक सहकारिता श्री मनोज पुष्प, उप सचिव सहकारिता श्री मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक आवास संघ श्री विश्वकर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

4 ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा पर रवाना होगी भारत गौरव ट्रेन

भोपाल (नप्र)। आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहरों को एक साथ अनुभव करने की चाह रखने वालों के लिए भारतीय रेल एक सुनहरा अवसर लेकर आई है। आगामी 25 अक्टूबर 2025 से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यात्रा पर रवाना होगी। यह विशेष यात्रा नौ दिनों में श्रद्धालुओं को मध्यप्रदेश और गुजरात के प्रमुख तीर्थों व ऐतिहासिक स्थलों तक लेकर जाएगी। इस यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और यह जलंधर शहर, लुधियाना, चंडीगढ़, अम्बाला छावनी, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली छावनी और रेवाड़ी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर श्रद्धालुओं को अपने पवित्र गंतव्यों तक पहुँचाएगी। यात्रियों को इस दौरान उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का सौभाग्य मिलेगा। इसके बाद यात्रा केवड़िया पहुँचेगी, जहां यात्री आधुनिक भारत की शान और विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की सैर करेंगे। इसके पश्चात यह ट्रेन द्वारका जाएगी, जहां श्रद्धालुओं को द्वारकाधीश मंदिर और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। अंत में यात्रा सोमनाथ पहुंचेगी, जहाँ प्रसिद्ध सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पावन दर्शन कराते हुए यह पवित्र सफर पूर्ण होगा।

यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें- स्लीपर क्लास (640 सीटें), 3AC स्टैंडर्ड (70 सीटें), और 2AC कम्फर्ट (52 सीटें) उपलब्ध हैं । वहीं किराया भी काफी किफायती रखा गया है। स्लीपर क्लास 19,555, 3AC ?27,815 और 2AC ?39,410 प्रति व्यक्ति। इस पैकेज में ट्रेन टिकट के साथ-साथ दैनिक भोजन, आरामदायक आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी/नॉन-एसी बस, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सकीय सुविधा आदि शामिल हैं। यह यात्रा श्रद्धालुओं को एक ओर तो प्राचीन मंदिरों और ज्योतिर्लिंगों की भक्ति में डुबो देगी और दूसरी ओर आधुनिक भारत के गौरव 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' से देश की नई पहचान का अनुभव कराएगी। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि भारतीय संस्कृति, एकता और अध्यात्म की गहरी झलक भी प्रस्तुत करती है। अधिक जानकारी और आरक्षण के लिए यात्री www.irctctourism.com अथवा IRCTC के चंडीगढ़ और नई दिल्ली कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। सीटें सीमित हैं और मांग अत्यधिक है, इसलिए इच्छुक श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि वे समय रहते अपनी बुकिंग सुनिश्चित करें।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में साधिकार समिति गठित

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश सिविल एविएशन पॉलिसी , 2025 के तहत मध्यप्रदेश में विमानन क्षेत्र के विकास के लिये सिंगल विंडो उपलब्ध कराया जाने तथा उक्त पॉलिसी में दिये गये दायित्वों का निर्वहन करने के लिये साधिकार समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया गया हैं।

समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव विमानन, वित्त, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, वाणिज्यक कर, पर्यटन, सदस्य होंगे। आयुक्त, विमानन संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल कों सदस्य सचिव बनाया गया हैं। समिति इस नीति के अंतर्गत यथा उल्लेखित दायित्वों का निर्वहन करेगी तथा प्रचलित पॉलिसी के अनुरूप निर्णय ले सकेगी। यह निर्णय अंतिम होगा तथा संबंधित विभाग द्वारा इसका क्रियान्वयन अनिवार्यत~किया जायेगा।

स्वीकृति समिति गठितः राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश सिविल एविएशन पॉलिसी, 2025 के तहत 12 अगस्त 2025 को जारी मध्यप्रदेश सिविल एविएशन पॉलिसी स्कीम में संस्थाओं द्वारा विभिन्न प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए अंतर विभागीय समन्वय करने तथा नीति के अनुसार सहायता की पात्रता निर्धारित करने और मेगा औद्योगिक ईकाईयों के लिए CCIP द्वारा स्वीकृत समग्र अनुकूलित पैकेजों के अंतर्गत सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए स्वीकृति समिति का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव विमानन, वित्त, वाणिज्यिक कर, सदस्य होंगे। आयुक्त,विमानन संचालनालय, म.प्र. भोपाल को सदस्य सचिव बनाया गया है।

बोहरा समाज के ईद मिलादुन्नबी पर निकले जुलुश का स्वागत

भोपाल। ईद मिलादुन्नबी पावन पर्व के पावन पर्व पर नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 77 में स्थिति बोहरा समाज की मस्जिद से बोरा समाज के नागरिक बंधुओं द्वारा अपने समाज के वर्तमान धर्मगुरु की विशेष उपस्थिति में ईद मिलादुन्नबी के पावन पर्व पर बैंड बाजे घोड़ा बग्गी बच्चे बच्चियों की विशेष से सहभागिता में क्षेत्र में जुलूस निकालकर खुशी का इजहार किया गया। धर्मगुरु एवं बोरा समाज के नागरिक बंधुओं का भारतीय जनता पार्टी नरेला विधानसभा करोंद क्षेत्र के कार्यकर्ता पदाधिकारीयों द्वारा पुष्प गुच्छ से धर्म गुरुओ का पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत कर्ताओं पदाधिकारी में शहीद भगत सिंह मंडल मंडल अध्यक्ष बब्लेश राजपूत, मंडल महामंत्री श्याम सुंदर शर्मा गुलाब यादव, प्रकाश यदुवंशी, परवेज भाई,लाइक भाई, गुड्डू

उत्साह उमंग व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

भोपाल (नप्र)।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक सम्मान समारोह मनाया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों द्वारा डॉ. राधाकृष्णन व संतजी की मूर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन किया गया।

शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने शाला का निरीक्षण करके शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाईयां देते हुए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् का जन्म दिवस शिक्षकों के सम्मान दिवस के रुप में मनाया जाता है। शिक्षक वह दीपक है जो खुद जलकर विद्यार्थियों को ज्ञान की ज्योति प्रदान करता है अतः आज के दिन विद्यार्थियों को यह संकल्प करना चाहिए कि सदैव शिक्षकों का सम्मान करेंगे एवं उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर ऊंचाईयों को छुएंगे भाऊजी ने यह भी कहा कि सच्ची गुरुदक्षिणा वही होगी कि विद्यार्थी मैरिट में आकर विद्यालय का नाम रोशन करेंगे एवं नेक इंसान बनकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे। गुरु का महत्व ऊंचा है गुरु द्वारा दिये गये ज्ञान को कभी नहीं भूलना चाहिए। सदैव माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करना चाहिए एवं पढ़ाई जो आपका लक्ष्य है उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। नियमितता, एकाग्रता हर कठिनाई को दूर कर ऊंचाई तक पहुंचाने में मदद करती है, गुरुओं के प्रति सदैव श्रद्धा व सम्मान की भावना को बनाए रखें।

शिक्षक दिवस के अवसर पर कन्हैयालाल रामनानी उपस्थित हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाईयां देते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों का भविष्य उज्जवल बनाते हैं, शिक्षक ही विद्यार्थियों के सच्चे हितैषी होते हैं, शिक्षक में समर्पण भावना होती है वह अपने समर्पण से बच्चों को नित नई जानकारियां प्रदान करते हैं तो बच्चों का भी यह कर्तव्य है कि वे उनकी बातों को भलीभांति सुनें और अपने जीवन में उतारें, विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाना अत्यंत आवश्यक है इससे विद्यार्थी यह महसूस करते हैं कि शिक्षक हमें किस प्रकार पढ़ाते हैं और हमारे भविष्य का निर्माण करते हैं।

आरोपः शिक्षा विभाग का इंजीनियर अपने चहेते को दिलाता है स्कूलों का ठेका

भोपाल (नप्र)। भोपाल जिला पंचायत सभा कक्ष में जिला पंचायत भोपाल स्थाई शिक्षा समिति की बैठक गुरुवार को मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष एवं सभापति शिक्षा समिति की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक के सचिव जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल नरेंद्र कुमार अहिरवार ने बैठक का एजेंडा रखते हुए अध्यक्ष की अनुमति से बिंदुवार चर्चा करते हुए बैठक शुरू की। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में स्कूल भवन मरम्मत कार्य के लिए राशि दी जाती है। उसका सही उपयोग ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में नहीं हो रहा है। इसका मुद्दा सदस्य विनय सिंह मेहर ने उठाते हुए कहा कि शिक्षा विभाग के इंजीनियर नरेश भक्तानी के द्वारा अपने चहेते ठेकेदारों को ठेका दिलाए जाते हैं और स्कूलों में सही गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य नहीं हो रहे हैं। जब हम इंजीनियर से बात करते हैं तो वहां फोन नहीं उठाते हैं और उठाते भी हैं तो दारू के नशे में हमसे बात करते हैं। यह एक गंभीर समस्या है बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सरकार की राशि का दुरुपयोग हो रहा है। ऐसे इंजीनियरों को राजधानी भोपाल ग्रामीण क्षेत्र में रहने का अधिकार नहीं है। इनको तत्काल हटाने की मांग करता हूं। इसकी शिकायत में कलेक्टर, मंत्री एवं मुख्यमंत्री जी से भी करूंगा। उपाध्यक्ष जिला पंचायत भोपाल एवं सभापति शिक्षा समिति मोहन सिंह जाट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास हथाई खेड़ा में बच्चों को अच्छी गुणवत्ता का भोजन नहीं मिल रहा है। इसका मुद्दा उठाते हुए बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी जिला परियोजना संबंधित द्वारा 26 जून 2025 को शाम 7~00 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास हथाई खेड़ा का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में चौकीदार अंकित विश्वकर्मा एवं कक्षा 2 के छात्र सतीश एवं छात्र वीरेश उपस्थित पाए गए। उक्त तिथि में गोरेलाल भृत एवं पिंकी बाई सफाई कर्मचारी अनुपस्थित थे। छात्रावास में मीनयू के अनुसार बच्चों के लिए भोजन नहीं बना होना पाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालक छात्रावास हथाई खेड़ा 100 बच्चो का है। किंतु निरीक्षण के दौरान मात्र दो छात्र उपस्थित होना पाया गया। यह संदेह पद है। छात्रावास के बच्चों ने बताया कि अंकित भैया दारू पी के आते हैं और मारते हैं।खेलने नहीं देते हैं ।

संगीत की मधुर संध्या ने मोह लिया मन

भोपाल (नप्र)। बीएचईएल सांस्कृतिक सभागार में तमिल संगम भोपाल, कला केंद्र भोपाल एवं नव शक्ति पीठ भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य कर्नाटक संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष संगीतमय संध्या में हैदराबाद से पधारे वायलिन विद्वान श्री के एल एन मूर्ति एवं मृदंगम वादक श्री कार्तिक सीतारमन ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम में संगीत प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिन्होंने दोनों कलाकारों की प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया। पूरे सभागार में मधुर संगीत की स्वर लहरियों ने एक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण निर्मित कर दिया। इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से~ श्री आर. कृष्णन, पूर्व डायरेक्टर, बीएचईएल श्री एस. चंद्रशेखर, पूर्व महाप्रबंधक बीएचईएल एवं अध्यक्ष, तमिल संगम भोपाल डॉ. शांता अय्यर, अध्यक्ष, कला केंद्र श्री पी. ई. रामनाथन, सचिन गोविंदपुरा भजन समाज श्री के. शंकर, सचिव, कला केंद्र श्री एम. रवि, एडवोकेट एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि,श्री सुब्रमणियम, सचिव, तमिल संगम श्री कार्तिक स्वामी, श्री नागेश्वरी अम्मन मंदिर, गोविंदपुरा कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय श्री श्रीधर एवं श्रीमती विजयलक्ष्मी श्रीधर द्वारा किया गया। तमिल संगम भोपाल द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से न केवल पारंपरिक कलाओं को प्रोत्साहन दिया जाता है, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मूल्यों एवं संस्कारों से जोड़ने का भी निरंतर प्रयास किया जाता है।यह कार्यक्रम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिसमें संगीत, संस्कृति और समाज का एक अद्वितीय संगम देखने को मिला।

द यूनिटी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्राइवेट एवं सरकारी

स्कूल के बच्चों के लिए संयुक्त लर्निंग एवं गेम्स गतिविधियाँ आयोजित की गई

भोपाल (नप्र)। द यूनिटी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में डी पी एस स्कूल नीलबड़, एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय पिपलानी में विशेष लर्निंग एवं गेम्स गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।उक्त जानकारी देते हुए फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रिया शर्मा ने बताया कि इस बार हमने प्राइवेट स्कूल और सरकारी स्कूल मे सामंजस्य बिठाते हुए बच्चों के लिए लर्निंग प्रोग्राम आयोजित करने का निर्णय लिया इसी तरताम्य मे छ्क्क्र स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत शानदार बैंड प्रेजेंटेशन से हुई। यह प्रस्तुति शिक्षिकाएँ श्रीमती सुष्मिता डे, संगीता वाधवा, फोज़िया अंजुम एवं इरफ़ान सर के मार्गदर्शन में दी गई। इसके बाद दोनों विद्यालयों के छात्रों ने संयुक्त बैंड प्रस्तुति देकर अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि प्रतिभा संसाधनों पर निर्भर नहीं होती, बल्कि लगन और परिश्रम से निखरती है।

उत्साहपूर्ण वातावरण में विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों और प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस दौरान छ्क्क्र स्कूल के विद्यार्थियों ने शासकीय विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। कार्यक्रम में छ्क्क्र स्कूल की वाइस प्रिंसिपल डॉ.मुक्ता शर्मा तथा शासकीय विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सरिता इंदोरिया सहित शिक्षिकाएँ राधारानी, रागिनी पाराशर, सरिता दुबे, अनीता, परवीन, विभूति और चंद्रा जी ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। प्रिया शर्मा ने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को प्रेरित करना है ताकि वे यह समझ सकें कि सीमित साधनों के बावजूद शिक्षा, खेल और प्रतियोगिताओं में आगे बढ़कर जीवन में सफलता हासिल की जा सकती है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष मंजू सिंह, सचिव भारती मकरम, संयुक्त सचिव मिथु घोष, कोषाध्यक्ष क्रति शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य मोना, सलाहकार प्रमोद शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक राधे तथा स्वयंसेवक प्रमुख अजी कोशी, और जयश्री शर्मा सहित फाउंडेशन की पूरी टीम मौजूद रही और कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान दिया। फाउंडेशन की ओर से दोनों विद्यालयों के विजेता छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए और शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

करामाती है मटके के पानी

आजकल सबसे पहले इंसान चाय-कॉफी पीता है मगर पहले के लोग पानी पीते थे। आयुर्वेद कहता है आपको सूरज से भी पहले उठना चाहिए और तुरंत मटके का पानी पीना चाहिए। ये काम करने से 17 खतरनाक बीमारी खत्म हो जाती हैं।

मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज, पाइल्स से परेशान लोगों की संख्या बढ़ चुकी है। इन्हें ठीक करने के लिए केवल दवाई लेना जरूरी नहीं है। पानी पीकर इन जैसी 18 बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके फायदों के बारे में कवि घाघ लिखते हैं प्रात समै खटिया से उठीकै, पिवै ठंडा पानी। ता घर वैद कबौ नहीं आवै, बात घाघ की मानी।।

कवि घाघ कहते हैं कि सुबह सवेरे उठकर तुरंत बासी मुंह मटके का पानी पीकर फायदे मिलते हैं। यह कई सारी बीमारियों को दूर करता है और वैद्य के पास जाने की कभी जरूरत नहीं पड़ेगी। आयुर्वद में भाव मिश्र ऋषि ने बताया है कि यह पानी कितने सारे रोगों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

बासी मुंह पानी पीने के फायदे

बासी मुंह मटका का पानी 18 बीमारियों का इलाज कर सकता है। जिसमें बवासीर की सूजन, आईबीएस, बुखार, पेट के विकार, जल्दी बुढ़ापा, कुष्ठ त्वचा विकार, मेदोरोग- फैट मेटाबोलिज्म, डायसुरिया, हेमरेजिक डिसऑर्डर, कान के विकार, गले के विकार, सिर के विकार, कमर के विकार, आंख के विकार, वात विकार, पित्त विकार और कफ विकार आते हैं।

ऐसे करें ये आयुर्वेदिक उपाय

इस उपाय को सुबह सवेरे करना होता है जब आप सोकर उठते हैं। उसमें भी सूरज निकलने से पहले ये उपाय करना ज्यादा फायदेमंद होता है। इसे उठने के तुरंत बाद करना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए तरीके में बदलाव होता है।

कब नुकसान करता है मटके का पानी?

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के मुताबिक, गर्मी में मटके का पानी पीना चाहिए मगर कफ विकार के रोगी इससे दूर रहें। ऐसे लोग और ठंड में हल्का गुनगुना पानी पी सकते हैं। लेकिन पित्त विकार के रोगियों के लिए गुनगुना पानी नुकसानदायक है।

ऐसे दिखाता है करामाती असर

जब आप सबसे पहले पानी पीते हैं तो शरीर साफ होने लगता है। आंतों से टॉक्सिन निकलकर रेक्टम तक पहुंच जाते हैं। जिससे पेट आसानी से साफ होता है। कब्ज, डायजेस्टिव ट्रैक्ट और ब्लैडर साफ होने से कई सारी बीमारियां खत्म हो जाती हैं।

कितना पानी पीना चाहिए?

हर किसी के लिए पानी की मात्रा अलग होती है। यह आपकी आदत के मुताबिक हो सकती है। मगर शुरुआत में 1-2 लीटर पानी पीने से बचें। आप इस हेल्दी आदत की शुरुआत 1-2 गिलास पानी से शुरू कर सकते हैं।

अपच और बदहजमी से बचाती है हरण

बदहजमी एक ऐसी समस्या बन गई है, जिससे हर दूसरा व्यक्ति परेशान है। इसकी वजह है शारीरिक गतिविधि में कमी के कारण भोजन का सही तरह से पाचन ना हो पाना और शरीर से वायु तथा अपशिष्ट पदार्थों का पूर्ण रूप से बाहर ना आ पाना। इस स्थिति में शारीरिक गतिविधियों की कमी के चलते बदहजमी और अपच की समस्या लगातार बढ़ रही है।

जगह की कमी है तो क्या करें?

- हर समय ना तो हमारे शरीर में इतनी ताकत होती है कि हम घर की बालकनी या लॉबी में ही चहलकदमी कर सकें और मेट्रो सिटीज के ज्यादातर घरों में इतनी जगह होती ही नहीं है कि आप वहां फिजिकल ऐक्टिविटीज करने के बारे में सोच सकें। लेकिन पाचन सही रखने के लिए तो ऐक्टिव रहना जरूरी हैअब क्या करें?
- अगर पाचन कमजोर पड़ा तो संक्रमण को हावी होने में समय नहीं लगेगा। इस स्थिति में जरूरी है कि कुछ ऐसे काम किए जाएं, जो आसान भी हों और प्रभावी भी। तो इनमें पहला काम है हरड़ चूसना और दूसरा काम है वज्रासन में बैठना।
- अगर आप भी घर में स्पेस की कमी के चलते खुद को फिजिकली ऐक्टिव नहीं रख पा रहे हैं तो हरड़ और वज्रासन आपके पाचन को सही रखने में आपके लिए सहायक रहेंगे।
- आप खाना खाने के बाद हरड़ की एक गोली लेकर उसे टॉफी की तरह चूसते रहें। साथ ही इस दौरान वज्रासन में बैठे रहें। इससे आपके पेट में अतिरिक्त गैस और फैट जमा नहीं होगा। ये दोनों चीजें आपको बदहजमी से बचाएंगी और पाचन को सही रखने में मदद करेंगी।

कहां मिलेगी हरड़?

- हरड़ आपको किसी भी उस मेडिकल स्टोर पर मिल सकती है, जहां आयुर्वेदिक दवाएं मिलती हैं। इसके साथ ही इंडियन फूड स्टोर्स पर भी आपको हरड़ आराम से मिल जाएगी।
- यह स्वाद में किसी हल्की मसालेदार टॉफी की तरह होती है और इसमें हल्का कसैला स्वाद भी होता है। आप इसे चूसकर खाएंगे तो जल्द लाभ होगा यदि दिक्कत हो तो आप इसे फटाफट चबाकर खाएं और फिर एक-दो घूंट पानी पी लें।

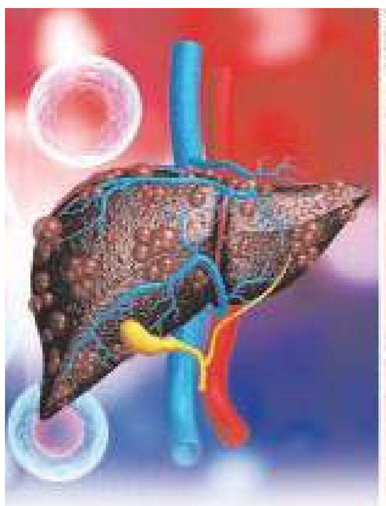

साइलेंट किलर है हेपेटाइटिस बी

खाना पचाने और हेल्दी कोलेस्ट्रॉल बनाने के लिए लिवर जरूरी है। मगर हेपेटाइटिस बी के कारण कुछ ही दिनों में यह फेल हो सकता है, इसलिए इन लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

पेट के ठीक ऊपर हमारा लिवर होता है, जो खाना पचाने में मदद करता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि ये अंग शरीर में हेल्दी कोलेस्ट्रॉल का निर्माण भी करता है, जो कि गंदे कोलेस्ट्रॉल को भी निकालता है। लिवर का स्वस्थ रहना हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। हेपेटाइटिस एक वायरल इंफेक्शन है, जिसके कई सारे टाइप होते हैं। जो कि लिवर के टिश्यू में इंफ्लामेशन आने से होता है। डब्ल्यूएचओ कहता है कि हेपेटाइटिस का बी वायरस इसका सबसे खतरनाक प्रकार है और यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह बिना बताए लिवर इतना खराब कर देता है कि अंग फेल भी हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है कि अधिकतर लोगों में हेपेटाइटिस बी की शुरुआत होने पर कोई लक्षण नहीं दिखता है। जिसकी वजह से इसे पकड़ना काफी मुश्किल हो जाता है और इस वायरस से लिवर सिरोसिस व लिवर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि इसके लक्षण दिखने में 30 से 180 दिन लग सकते हैं और तबतक बीमारी काफी बढ़ जाती है।

नजरअंदाज ना करें ये चीजें

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक ही कुछ लोगों में या बीमारी के गंभीर होने पर मरीज को कुछ दिक्कतें होने लगती हैं, जिसे अधिकतर लोग आम समझ लेते हैं। मगर इन्हें नजरअंदाज करना भारी हो सकता है, इसलिए इन लक्षणों के दिखने पर डॉक्टर के पास जरूर जाएं।

हेपेटाइटिस बी के लक्षण

- त्वचा पीली पड़ना
- आंखें पीली होना
- पेशाब का रंग बदलना
- बहुत ज्यादा थकान होना
- जी मिचलाना
- उल्टी
- पेट में दर्द होना

कुछ ही दिनों में फेल हो सकता है लिवर

हेपेटाइटिस बी का इलाज ना करवाने पर कुछ लोगों में एक्यूट लिवर फेलियर हो सकता है। ये समस्या काफी घातक होती है, क्योंकि इसकी वजह से कुछ ही दिनों या हफ्तों में लिवर काम करना पूरी तरह बंद कर देता है।

गर्भवती महिला और नवजात को अधिक खतरा

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन बताता है कि डिलीवरी के दौरान महिला से शिशु को हेपेटाइटिस बी होना काफी आसान है। वहीं, 5 साल तक के बच्चों को भी इसका खतरा अधिक होता है।

हेपेटाइटिस बी कैसे फैलता है?

यह खतरनाक वायरस संक्रमित खून, सुई, टैटू, कान-नाक छिदवाना या सेमिनल फ्लूइड के संपर्क में आने से फैलता है। इसका वायरस शरीर से बाहर 7 दिनों तक जिंदा रह सकता है।

विटामिन-सी की कमी को पूरा करेंगे ये 5 फल

शरीर को वक्त-वक्त पर हर तरह के विटामिन की जरूरत पड़ती है। शरीर में इसकी कमी होने पर उसका असर हेल्थ पर पड़ने लगाता है और काम पर भी प्रभाव पड़ने लगता है। हालांकि भारत जैसे देश में हर चीज के कई सारे विकल्प मौजूद होते हैं इसलिए अधिक परेशानी भी नहीं होती है। लेकिन कहते हैं संतरे में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है लेकिन अगर वह नहीं मिलते हैं तो अन्य फलों का सेवन कर सकते हैं। इससे आपको विटामिन सी की कमी नहीं होगी। तो आइए जानते है संतरे के बजाए किन फलों से विटामिन-सी बढ़ता है

- **मनुक्का दाख-** मनुक्का से खून जरूर बढ़ता है। साथ ही इसमें मौजूद तत्व में विटामिन सी की मात्रा भी पूरी होती है। इसलिए आप इसे पानी में गलाकर इसका सेवन कर सकते हैं। कमजोरी लगने पर आप मनुक्का पर काला नमक लगाकर भी खा सकते हैं।
- **अंगूर-** जी हां, अंगूर में भी विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से टीबी और कैंसर जैसी बीमारी में भी निजात मिलती है। संतरे की जगह पर आप इसे आराम से खा सकते हैं।
- **नींबू-** नींबू को संतरे का पर्याय कहना गलत नहीं होगा। जी हां, इसमें अधिक मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। कई बार नींबू खाने मात्र से हड्डियां और मांसपेशियां दुखने में आराम मिलता है।
- **स्ट्रॉबेरी-** इसमें विटामिन सी की 84.7 मिलीग्राम मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से आपको काफी राहत मिलेगी। डॉक्टर भी इसका सेवन करने की सलाह देते हैं।
- **ब्रोकली-** आज के टाइम में यह काफी ट्रेंडिंग फूड बन गया है। यूथ इसका सेवन बड़े शौक से करते हैं। इसमें करीब 132 मिली ग्राम विटामिन सी पाया जाता है। इसके सेवन से कई जानलेवा बीमारियों से भी निजात मिलती है।

घरेलू उपचार से कब्ज की समस्या का छुटकारा

कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए यहां पर आपको ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताया जाएगा, जिसका सेवन करने से आपको प्रभावी रूप से फायदा मिलेगा। इतना ही नहीं, इसके दुष्प्रभाव का जोखिम भी काफी कम है।

कब्ज एक ऐसी समस्या है जो आजकल न केवल बुजुर्गों को बल्कि युवाओं को भी परेशान करने लगी है। खान-पान में अनियमितता और डायट में गड़बड़ी के कारण आपको भी कभी न कभी कब्ज की समस्या से जूझना पड़ा होगा। इस समस्या से निजात पाने के लिए कई प्रकार के घरेलू नुस्खे आप जानते होंगे। लेकिन आज यहां आपको एक खास नुस्खे के बारे में बताया जाएगा, जो थोड़ी ही देर में फायदा पहुंचा सकता है। इस नुस्खे को तैयार करने के लिए आप किचन में ही मौजूद सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं। इसके साथ-साथ इसका सेवन करने से आपको किसी प्रकार के गंभीर जोखिम का खतरा भी न के बराबर होता है। आइए अब इसके बारे में अब विस्तारपूर्वक बताते हैं.इस घरेलू नुस्खे को तैयार करने के लिए यहां पर आपको सबसे पहले सामग्री और उसे तैयार करने की विधि के बारे में बताया जा रहा है।

सामग्री - 2 गिलास पानी, चम्मच जीरा, चुटकी भर काला नमक

बनाने की विधि - सबसे पहले पानी में जीरे को लगभग 5 मिनट तक उबालें। इस पानी को छानकर एक गिलास में रखें और ऊपर से चुटकी भर नमक मिलाएं। हल्का ठंडा हो जाने पर घूंट-घूंट कर इसका सेवन करें।

यूएस ओपनः

पेगुला को हराकर विमेंस सिंगल्स के फाइनल में सबालेंका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। यूएस ओपन की मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका ने विमेंस सिंगल्स के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना ने सेमीफाइनल में चौथी वरीय जेसिका पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। रोमांचक तीन सेटों वाले मुकाबले की शुरुआत में जेसिका पेगुला ने पूरा फायदा उठाया। उन्होंने बेहद सटीक तथा संयमित पहला सेट खेला, जिससे सबालेंका लगातार असंतुलित रहीं। उन्होंने सिर्फ तीन अनफोर्स्ड एरर किए और रिटर्न पर आक्रामक बनी रहीं।

27 वर्षीय सबालेंका दूसरे सेट में पहले बढ़त लेने में कामयाब रहीं। उन्होंने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई और अंततः मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं। तीसरे सेट की शुरुआत में 30-40 पर सर्व करते हुए पेगुला ने फोरहैंड बाउंड्री लाइन से बाहर भेज दिया और खुद मुश्किल में पड़ गईं। अमेरिकी खिलाड़ी ने सबालेंका की सर्विस पर दबाव बनाना जारी रखा। छठा गेम करीब नौ मिनट तक चला, लेकिन 30 वर्षीय पेगुला सात में से केवल दो ब्रेक के मौकों को ही भुना पाईं। 5-4, 40-30 के स्कोर पर मैच के लिए सर्विस करते हुए, सबालेंका ने एक सामान्य ओवरहेड शॉट नेट में मारा। पेगुला ने एक और मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन तीसरा प्वाइंट नहीं बचा पाईं। इसी के साथ वह दो घंटे पांच मिनट तक चले मुकाबले को गंवा बैठीं। यह सबालेंका का लगातार पांचवां यूएस ओपन सेमीफाइनल था। उनसे पहले न्यूयॉर्क में लगातार पांच सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पिछली खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थीं। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने साल 2011-2016 के बीच यह कारनामा किया। सबालेंका अपना सातवां ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलने जा रही हैं। यह पिछले पांच मेजर्स में उनका चौथा और न्यूयॉर्क में लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वह अपने यूएस ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने से केवल एक जीत दूर हैं। अमांडा अनीसिमोवा और नाओमी ओसाका के बीच होने वाले सेमीफाइनल की विजेता का इंतजार करते हुए, सबालेंका लगातार दो यूएस ओपन महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगी। इससे पहले यह उपलब्धि सेरेना विलियम्स ने हासिल की थी, जिन्होंने 2012 से 2014 के बीच तीन बार लगातार खिताब जीता। सबालेंका इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलां गैरो के फाइनल में और विंबलडन सेमीफाइनल में चूक गई थीं।

यूएस ओपन 2025: एक दशक बाद यूएस ओपन देखने पहुंचेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 2015 में एक क्वार्टरफाइनल मैच के दौरान दर्शकों की हूटिंग के बाद से उन्होंने टूर्नामेंट का रुख नहीं किया। अब एक दशक के बाद वह इस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट का फाइनल देखने पहुंचेंगे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रविवार को यूएस ओपन पुरुष एकल फाइनल में शिरकत करेंगे। व्हाइट हाउस ने गुरुवार देर रात इस यात्रा की आधिकारिक पुष्टि की।

ट्रंप रविवार दोपहर क्वीन्स, न्यूयॉर्क जाएंगे और मैच खत्म होते ही वॉशिंगटन लौट आएंगे। यह मुकाबला दोपहर दो बजे शुरू होगा। इस साल फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का फैसला सेमीफाइनल मैचों के बाद होगा, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर, फेलिक्स औगर-अलियासिम, नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्काराज शामिल हैं। ट्रंप लंबे समय तक न्यूयॉर्क क्षेत्र के रियल एस्टेट कारोबारी और बाद में रियलिटी टीवी स्टार के रूप में यूएस ओपन के स्थायी दर्शक रहे। वह अक्सर आर्थर ऐश स्टेडियम की बालकनी में दिखते थे और कैमरों पर भी बार-बार नजर आते थे।

हाय रे किस्मत! दोहरे शतक से 3 रन दूर था बल्लेबाज, फिर बीच मैदान हुआ ये हादसा

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइल में साउथ जोन और नॉर्थ जोन की टीमों का आमना-सामना हो रहा है. दोनों टीमों के बीच ये मैच बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 1 में खेला जा रहा है. इस मैच में साउथ जोन के लिए खेल रहे तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन ने एक यादगार पारी खेली. लेकिन वह दोहरा शतक बनाने से चूक गए. वह 200 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 3 रन दूर रहे . नॉर्थ जोन ने मुकाबले की शुरुआत में टॉस जीतकर साउथ जोन को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. साउथ जोन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे नारायण जगदीशन ने जमकर रन बनाए. जगदीशन ने खेल के पहले दिन 184 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया. उन्होंने काफी संभलकर बल्लेबाजी की और खेल के दूसरे दिन भी क्रीज पर जम गए. उन्होंने 159 रन का आंकड़ा छूने के लिए 262 गेंदे लीं. लेकिन 197 रन के स्कोर पर पहुंचने के बाद उन्हें एक गलती भारी पड़ गई. दरअसल, वह रन आउट होकर अपना विकेट गंवा बैठे. नारायण जगदीशन ने इस पारी में कुल 352 गेंदों का सामना किया और 197 रन बनाए. उनकी इस पारी में 16 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. ऐसे में वह आउट होने के बाद काफी निराश नजर आए. उनके पास दोहरा शतक पूरा करने का एक बड़ा मौका था. बता दें, नारायण जगदीशन को हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज के आखिरी मैच के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया था. वह ऋषभ पंत की जगह टीम में आए थे, लेकिन डेब्यू नहीं कर सके थे.

दो दिन में दूसरी बार हुआ ऐसा

दलीप ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइल मैचों में लगातार दूसरे दिन ऐसा हुआ है जब कोई बल्लेबाज दोहरे शतक से चूका है. नारायण जगदीशन से पहले ऋतुराज गायकवाड़ भी दोहरा शतक पूरा करने से 16 रन दूर रह गए थे. वेस्ट जोन के बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने सेंट्रल जोन के खिलाफ पहली पारी में 206 गेंदों का सामना करते हुए 184 रन बनाए. जिसमें 25 चौके और 1 छक्का शामिल रहा.

इसे मैं बड़े सम्मान की तरह देखता हूं, डेवाल्ड ब्रेविस ने डिविलियर्स से तुलना पर की बात

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) एजेंसी। प्यार से बेबी एबी कहे जाने वाले दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस का कहना है कि एबी डिविलियर्स से

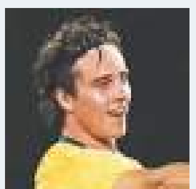

तुलना होना उनके लिए हमेशा से एक विशेषाधिकार रहा है, बोझ नहीं। इस साल टी20 में ब्रेविस शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने 30 पारियों में 43.26 की औसत और 186.32 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से अब तक 995 रन बनाए हैं जिसमें 6 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 125* रहा है। ब्रेविस ने डिविलियर्स के यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा, (अंडर-19 विश्व कप 2022) यहीं जब मैंने भारत के खिलाफ 50 रन बनाए थे, तो मेरे एक दोस्त ने एक छोटा सा बोर्ड पकड़ा हुआ था जिस पर बेबी एबी लिखा था। तब से मैं लोगों को बताता आ रहा हूं कि यह कभी बोझ नहीं रहा और न ही मैंने कभी दबाव महसूस किया, क्योंकि मेरे लिए यह सबसे खास चीजों में से एक था।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025

श्रेया घोषाल उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की लोकप्रिय गायिका श्रेयस घोषाल आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। आईसीसी की तरफ से गुरुवार को ये जानकारी दी गई। विश्व कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। श्रेया घोषाल भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले भव्य उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति देंगी। घोषाल ने टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है। विश्व कप की शुरुआत 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेले जाने वाले मैच से होगी।

आईसीसी ने इस मेगा इवेंट के लिए टिकटों की जानकारी और मुख्य मनोरंजन योजनाओं का खुलासा किया है। इस साल का संस्करण सुलभता के मामले में एक नया मानक स्थापित करेगा, क्योंकि किसी भी आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए कीमतें रिकॉर्ड-कम होंगी। भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है। आईसीसी ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रशंसकों के अनुकूल मूल्य निर्धारण का उद्देश्य खचाखच भरे स्टेडियम और उत्साही भीड़ सुनिश्चित करना है क्योंकि महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है। गूगल पे प्रशंसकों के लिए विशेष प्री-सेल टिकट एक्सेस के साथ प्रशंसकों को एक्शन के रोमांच का अनुभव कराएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टिकटों की बिक्री (गुरुवार, 4 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19ः00 शुरू होगी, जिसमें टिकट्स डॉट क्रिकेटवर्ल्डकप डॉट कॉम के माध्यम से गूगल पे उपयोगकर्ताओं के लिए चार दिवसीय विशेष प्री-सेल विंडो सोमवार (8 सितंबर) भारतीय समयानुसार 19ः00 तक चलेगी।

महिला विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा। भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के मैथ्यू ब्रीट्जके ने रचा इतिहास

वनडे क्रिकेट में तोड़े दो बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के 26 वर्षीय बल्लेबाज मैथ्यू बीट्जके ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान दो अनोखे वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए। बीट्जके वनडे क्रिकेट इतिहास में अपने शुरुआती पांच मैच की पांच पारी में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच मैचों की पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के दूसरे वनडे में 77 गेंद में 85 रन की पारी खेली। बीट्जके ने अपनी पारी में 7 चौके और तीन छक्के जड़े। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शतक पूरा करने से रोक दिया। भले ही बीट्जके लॉर्ड्स में शतक पूरा नहीं कर सके लेकिन अपनी 85 रन की पारी के साथ वो वनडे क्रिकेट इतिहास में पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 या उससे ज्यादा स्कोर करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी बल्लेबाज पांच वनडे मैच की पांचों पारियों में 50 नहीं कर पाया। साथ ही बीट्जके ने वनडे क्रिकेट में पहली पांच पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अबतक खेले पांच वनडे मैच की पांच पारी में 463 रन बनाए हैं जो नया वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने न्यूजीलैंड के टॉम कूपर का रिकॉर्ड तोड़ा। कूपर ने वनडे क्रिकेट में अपनी पहली पांच पारी में 374 रन बनाए थे।

मैथ्यू बीट्जके ने वनडे करियर की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ 150 रन की शतकीय पारी के साथ की। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ 83, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 और 88 रन की पारी खेली। बीट्जके ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने जादुई प्रदर्शन को बरकरार रखा और लॉर्ड्स में 85 रन बनाए। बीट्जके पांच वनडे में एक शतक और चार अर्धशतक जड़ चुके हैं।

गौर है कि दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच तीन मैच की वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी शेष है। अगर बीट्जके अपने वनडे करियर के छठे मैच में 37 रन बना लेते हैं तो वो वनडे इतिहास में सबसे तेज गति से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने महिला विश्व कप के लिए टीम का ऐलान किया, 10 प्लेयर्स पहले भी खेल चुकी हैं डब्ल्यूसी

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली की अगुवाई में महिला वनडे विश्व कप के लिए शुक्रवार को अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित की जिसमें बाएं हाथ की स्पिनर सोफी मोलिनक्स ने चोट से उबरने के बाद वापसी की। सात बार का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया मौजूदा चैंपियन भी है और आगामी प्रतियोगिता में भी वह अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जो 30 सितंबर से दो नवंबर तक भारत और श्रीलंका में आयोजित की जाएगी। विक्टोरिया की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट के कारण जनवरी से ही बाहर थी। वह हालांकि 14 से 20 सितंबर तक भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेल पाएगी। डार्सी ब्राउन (क्वाड) और जॉर्जिया वेयरहैम (ग्रोइन) भी अपनी हाल की चोटों से उबरकर टीम में वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की टीम में 10 ऐसी खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 2022 में खेले गए पिछले टूर्नामेंट का भी हिस्सा थी। इस टीम में एलिस पेरी, बेथ मूनी, एनाबेल सदरलैंड, ताहलिया मैकग्रा और एशले गार्डनर जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आस्ट्रेलिया अपना अभियान एक अक्टूबर को इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगा।

वनडे विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः

एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी की

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान रॉस टेलर ने संन्यास से वापसी कर ली है। हालांकि, अब वे न्यूजीलैंड के बजाय समोआ की तरफ से खेलेंगे। 41 साल के मिडिल ऑर्डर बैटर टेलर आगामी ईस्ट एशिया-पैसिफिक टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफायर टूर्नामेंट में समोआ की ओर से खेलेंगे। न्यूजीलैंड के इस बल्लेबाज की मां समोआ से हैं, जिसके कारण उन्हें वहां का पासपोर्ट मिला है।

टेलर ने साल 2022 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। वे अप्रैल 2022 में न्यूजीलैंड के लिए आखिरी बार खेले थे। ऐसे में उनका तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड भी पूरा हो गया है और अब वे समोआ के लिए एलिजिबल हैं। मैं क्रिकेट में नीली जर्सी पहनकर समोआ का प्रतिनिधित्व करने जा रहा हूं.

माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर की होगी भिड़ंत

2026 में आमने-सामने होंगे दो महान मुक्केबाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे। 59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। वहीं, 48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं।

मुक्केबाजी की दुनिया के दो सबसे बड़े दिग्गज माइक टायसन और फ्लॉयड मेवेदर 2026 में एक प्रदर्शनी फाइट में आमने-सामने होंगे। यह जानकारी प्रमोटर सीएसआई स्पोर्ट्स ने गुरुवार को साझा की। हालांकि, इस मुकाबले की तारीख और स्थान का एलान नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी ने बताया कि यह ऐतिहासिक लड़ाई स्प्रिंग 2026 में होगी। इसकी डील साइन हो चुकी है। फैंस के लिए यह ऐतिहासिक पल होगा, जब ये दो दिग्गज एक रिंग में साथ आएंगे।

टायसन के आंकड़े शानदार

59 वर्षीय टायसन को मुक्केबाजी की दुनिया का सबसे खतरनाक हेवीवेट फाइटर माना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 50-7 का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें से 44 मुकाबले नॉकआउट से जीते। हालांकि, उनका आखिरी मैच नवंबर 2024 में यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल के खिलाफ

था, जिसमें टायसन को हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले में 70,000 दर्शकों ने लाइव मैच देखा और दुनिया भर में लाखों लोगों ने टीवी पर इसे फॉलो किया।

मेवेदर अब तक नहीं हारे

48 वर्षीय फ्लॉयड मेवेदर अब तक प्रोफेशनल बॉक्सिंग में अपराजित रहे हैं। उन्होंने 2017 में रिटायरमेंट लिया, लेकिन तब तक उनका रिकॉर्ड 50-0 रहा और उन्होंने पांच अलग-अलग वेट कैटेगरी में खिताब जीते। रिटायरमेंट के बाद भी मेवेदर ने कई एग्जीबिशन मुकाबले खेले, जिनमें अगस्त 2024 में जॉन गॉटी पर मेक्सिको में जीत शामिल है।

टायसन का बयान

इस मुकाबले पर प्रतिक्रिया देते हुए टायसन ने कहा, जब सीएसआई ने मुझे फ्लॉयड मेवेदर से लड़ने का प्रस्ताव दिया, तो मैंने सोचा कि यह संभव ही नहीं है। लेकिन जब फ्लॉयड ने हां कहा, तब यह तय हो गया।

यह फाइट ऐसी है जिसकी कल्पना न मैंने की थी और न दुनिया ने। बॉक्सिंग अब अनप्रिडिक्टेबल दौर में प्रवेश कर चुकी है और यह मुकाबला उसी का सबूत है।

सोशल मीडिया पर छाया पोस्टर

टायसन और मेवेदर ने अपने-अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी इस फाइट का प्रमोट किया है। इस फाइट के हाइपअप के लिए मेवेदंर ने एक पंचलाइन भी दिया है।

संक्षिप्त समाचार

5 करोड़ लोगों का मुफ्त इलाज, ढाई से पांच लाख रुपये तक का हेल्थ कवर ; इस राज्य में योजना को मंजूरी

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने नई यूनिवर्सल हेल्थ पॉलिसी को मंजूरी दी है, जिससे राज्य के करीब 5 करोड़ लोग मुफ्त में इलाज करवा सकेंगे। इस स्कीम के तहत इंश्योरेंस कंपनियां 2.5 लाख से 5 लाख रुपये तक का हेल्थ कवर देंगी। गरीबी रेखा से नीचेरहने वाले परिवारों को एनटीआर वैद्य सेवा ट्रस्ट के जरिए 2.5 लाख से 25 लाख रुपये तक का अतिरिक्त कवर मिलेगा। इस प्रोग्राम में कुल 3,257 स्वास्थ्य सेवाएं शामिल होंगी। अस्पताल में भर्ती होने के 6 घंटे के अंदर इलाज की मंजूरी मिल जाएगी। साथ ही, मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी के लिए एनटीआर ट्रस्ट के तहत कंट्रोल सेंटर बनाया जाएगा। सूचना और जनसंपर्क मंत्री के. पार्थसारथी ने बताया कि सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में 10 नए मेडिकल कॉलेज खोलने को भी मंजूरी दी है। ये कॉलेज अदोनी, मदनपल्ली, मार्कापुरम, पुलिवेंडुला, पेनुगोंडा, पालकोले, अमलापुरम, नरसीपट्टनम, बापटला और परवतीपुरम में बनेंगे। इनमें 2027-28 से दाखिले शुरू हो जाएंगे। अमरावती राजधानी क्षेत्र में शैक्षिक संस्थानों और अस्पतालों को दी गई जमीन पर स्टांप ड्यूटी माफ करने का फैसला हुआ है। 31 अगस्त तक की 59,375 अनधिकृत इमारतों को नियमित करने और हाई-राइज इमारतों की ऊंचाई की सीमा 18 मीटर से बढ़ाकर 24 मीटर करने पर भी सहमित बनी। कैबिनेट ने मंगलगिरी मंडल के अटमकुरु गांव में 78.01 एकड़ जमीन के पूलिंग के प्रस्ताव को मंजूरी दी, ताकि मंगलगिरी गोल्ड क्लस्टर लैंड पूलिंग स्कीम लागू हो सके जिससे स्थानीय सुनारों को फायदा होगा। इसके अलावा, दीपम-2 स्कीम के तहत 16 जिलों के आदिवासी इलाकों में 23,912 लोगों को 14.2 किलो के गैस सिलेंडर बांटे जाएंगे। सरकार ने स्टेट इनवेस्टमेंट प्रमोशन बोर्ड की ओर से मंजूर निवेशों को हरी झंडी दी, जिसमें उद्योग, वाणिज्यिक कर, पर्यटन, युवा कल्याण और बिजली क्षेत्र से जुड़े विभागों से जमीन आवंटन शामिल है। इसके अलावा, 392 सिंचाई संरचनाओं की मरम्मत और रखरखाव के लिए 5.7 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।

छत्तीसगढ़ में एनएचएम कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला, सामूहिक इस्तीफे सौंपे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। पदाधिकारियों पर बर्खास्तगी की कार्रवाई के बाद गुरुवार को प्रदेशभर में हजारों एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफे सौंपकर सरकार के खिलाफ मोर्चा और तेज कर दिया। बस्तर जिले में 887, कांकेर में 655, बिलासपुर में 735, बलौदाबाजार में 421, जांजगीर-चांपा में 340 और मुंगेली जिले में 300 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने सामूहिक रूप से अपना त्यागपत्र जिला स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंपा। रायपुर में भी बड़ी संख्या में एनएचएम अधिकारी-कर्मचारी सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे और इस्तीफे सौंपने के बाद प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि नियमितीकरण और 10 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन लंबे समय से जारी है, लेकिन सरकार की ओर से सकारात्मक पहल नहीं हुई। उल्टा 35 अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी गई। इससे प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मियों में आक्रोश और गहरा गया है। बिलासपुर में कर्मचारियों ने बाइक रैली निकालकर सीएमएचओ कार्यालय का घेराव किया। वहीं जांजगीर-चांपा में आदेश की कॉपी जलाकर कर्मचारियों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया और आंदोलन को और उग्र करने की चेतावनी दी। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सरकार ने बार-बार आश्वासन देने के बावजूद नियमितीकरण की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। 'मोदी की गारंटी' का हवाला देते हुए कर्मचारियों ने कहा कि वादा पूरा किए बिना वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। इस सामूहिक इस्तीफे से प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्र और उप स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हो गई हैं। वहीं जिला स्वास्थ्य अधिकारी और सीएमएचओ स्तर से इस्तीफे शासन को भेजे जा रहे हैं। अब अगला निर्णय सरकार के पाले में है। एनएचएम संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित मिरी ने कहा कि दमनकारी निर्णय से 25 पदाधिकारियों की बर्खास्तगी के विरोध में हमारे 14767 कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया है। आने वाले दिनों में आंदोलन उग्र होगा । सरकार संवाद से हल निकालने का प्रयास करें।

दिल्ली के बवाना में खाली पड़ी इमारत ढही, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। बाहरी उत्तरी दिल्ली के बवाना इलाके में आग से प्रभावित एक खाली इमारत बृहस्पतिवार को ढह गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीन मंजिल वाली इस इमारत में पिछले साल आग लग गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि बवाना सेक्टर 4 स्थित यह इमारत तब से खाली थी।

देश के कितने मंत्रियों के खिलाफ दर्ज हैं आपराधिक केस, चौंका देंगे आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। एडीआर ने रिपोर्ट में मंत्रियों की वित्तीय संपत्तियों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार, मंत्रियों की औसत संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि सभी 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है।

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के एक विश्लेषण के अनुसार, देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यह रिपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत, के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

विश्लेषण के अनुसार, भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 (40 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 (26 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों (74 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 (30 प्रतिशत) के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं। द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 (लगभग 87 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 (45 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों (33 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 (20 प्रतिशत) पर गंभीर आरोप हैं।

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों (96 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 (57 प्रतिशत) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 (69 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच (31 प्रतिशत) पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर, 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 (40 प्रतिशत) ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं।

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नगालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है।

एडीआर ने रिपोर्ट में मंत्रियों की वित्तीय संपत्तियों का विश्लेषण भी प्रस्तुत किया है। इसके अनुसार, मंत्रियों की औसत संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि सभी 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है।

तीस विधानसभाओं में से 11 में अरबपति मंत्री हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ अरबपति मंत्री हैं, उसके बाद आंध्र प्रदेश में छह और महाराष्ट्र में चार ऐसे मंत्री हैं। अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना में दो-दो मंत्री, जबकि गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब में एक-एक मंत्री अरबपति हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्र सरकार में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 मंत्रियों में से छह (आठ प्रतिशत) अरबपति हैं। पार्टी के हिसाब से, भाजपा के अरबपति मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक 14 है, हालांकि यह उसके कुल मंत्रियों का सिर्फ 4 प्रतिशत है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर है, जिसके 61 मंत्रियों में से 11 (18 प्रतिशत) अरबपति हैं, जबकि तेदेपा के 23 में से 6 मंत्री (26 प्रतिशत) अरबपति हैं। आम आदमी पार्टी, जनसेना पार्टी, जनता दल (सेकुलर), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना में भी अरबपति मंत्री हैं। देश के सबसे अमीर मंत्री तेदेपा के डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी हैं, जो लोकसभा में आंध्र प्रदेश के गुंटूर से सांसद हैं। उन्होंने 5,705 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। कर्नाटक कांग्रेस के नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 1,413 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि तेदेपा के प्रमुख व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है।

इस देश में धर्म बदल सकते हैं, जाति नहीं; मराठा आरक्षण पर भड़के मंत्री छगन भुजबल बोले

मुंबई, एजेंसी। मराठा समुदाय के पात्र लोगों को कुनबी प्रमाण पत्र देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले से मंत्री छगन भुजबल नाराज हैं। उन्होंने चिंता जाहिर की है कि अगर गलत दस्तावेज बन गए, तो अगले कुछ सालों में क्या होगा। साथ ही उन्होंने इस मामले को लेकर कोर्ट जाने की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया है। मंगलवार को सरकार ने प्रमाण पत्र जारी करने के लिए समिति बनाने का ऐलान किया है।

भुजवल ने कहा कि ओबीसी समुदाय के लोगों के हित में बात करना उनका काम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आश्वासन दिया है कि ओबीसी इससे प्रभावित नहीं होंगे, लेकिन खुद भुजबल इस बात से चिंतित हैं कि अगर गलत दस्तावेज तैयार करा लिए गए तो अगले 10-15 सालों में क्या होगा। उन्होंने कहा, मैंने उनको (सरकार) को बताया कि 1921, 1931 हैदराबाद गजट में मराठाओं और कुनबी को अलग दिखाया गया है...। अब गलती यह है कि अगर हैदराबाद गजट को माना जाता है, तो ठीक है लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो क्या होगा। दस्तावेज में कहा गया है कि कुनबी प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए मराठाओं को नीचे दी गई शर्तों को पूरा करना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर कुनबी के पास सर्टिफिकेट नहीं है और उन्हें मिल जाता है, तो ठीक है, लेकिन मराठा समुदाय के व्यक्ति को यह कैसे मिल सकता है। आप किसी की जाति कैसे बदल सकते हैं। इस देश में धर्म बदला जा सकता है, जाति नहीं। जब सरकारी आदेश को कोर्ट में चुनौती देने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने चैनल को बताया कि वह महाराष्ट्र में मंत्री हैं, लेकिन उन्हें ओबीसी समुदाय के लिए भी बात करनी होगी। उन्होंने कहा, अगर मैं नहीं बोला, तो कौन बोलेगा। मुझे मेरा काम करना ही होगा। दूसरे नेता विचार कर सकते हैं कि उन्हें इसके बारे में क्या करना है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा समुदाय के सदस्यों को उनकी कुनबी विरासत के ऐतिहासिक साक्ष्य के साथ कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा के बाद मंगलवार को जरांगे ने यहां आजाद मैदान में अपना पांच दिवसीय अनशन समाप्त कर दिया था। मराठा समुदाय को राज्य में ओबीसी के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

उत्तराखंड में हर जिले में वृद्धाश्रम की व्यवस्था होगी: धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के हर जिले में एक-एक वृद्धाश्रम बनाने, दिव्यांगजन से विवाह करने पर प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर 50,000 रुपये करने और कक्षा एक से आठ तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति हेतु आय सीमा समाप्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान कीं। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग शादी अनुदान एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के पोर्टल की शुरुआत की और समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत दी जा रही पेंशन की वित्त वर्ष 2025-26 की पांचवीं किस्त का ऑनलाइन भुगतान भी किया।

इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में एक-एक वृद्धाश्रम की व्यवस्था की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी जिलों में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही है। उन्होंने कहा फिलहाल बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हो रहे हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चंपावत में नए भवन निर्माणाधीन हैं।

इसके अतिरिक्त, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल सहित विभिन्न क्षेत्रों में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा संचालित वृद्धाश्रम भी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम लागू किया गया है, जिससे बुजुर्गों को अपने बच्चों या कानूनी उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण प्राप्त करने का कानूनी अधिकार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग युवक-युवती से विवाह करने पर प्रोत्साहन अनुदान राशि को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये किया जाएगा तथा दिव्यांग छात्रवृत्ति योजना के तहत कक्षा एक से आठ तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए आय सीमा समाप्त कर दी जाएगी।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले विपक्ष के VP कैंडिडेट ने फिर किया बड़ा दावा, 9 सितंबर को होगा उलटफेर?

पटना, एजेंसी। आगामी 9 सितंबर को देश के अगले उपराष्ट्रपति के लिए चुनाव होने हैं। इससे पहले केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। गुरुवार को विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने एक बार फिर बड़ा दावा किया है। रेड्डी ने कहा है कि उन्हें इंडिया गठबंधन के बाहर के दलों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने यह भी कहा है कि आगामी चुनाव इतिहास का सबसे निष्पक्ष चुनाव होगा। सुप्रीम कोर्ट के जज रह चुके रेड्डी पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। इस दौरान रेड्डी ने कहा है कि वह उन राजनीतिक दलों के उम्मीदवार हैं

जो देश की 63 प्रतिशत से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। रेड्डी ने कहा कि उन्हें कई उन दलों और निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन प्राप्त है जो इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। बता दें कि इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव ने रेड्डी को अपनी पार्टी के सभी सांसदों का समर्थन देने की घोषणा भी की है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए रेड्डी ने आगे कहा, ''मैं यह स्पष्ट कर दूं कि भविष्य में किसी भी राजनीतिक दल में शामिल होने का मेरा कोई इरादा नहीं है। मैंने न्यायाधीश रहते हुए संविधान की रक्षा की है और यही मेरी शपथ रही है। अब यह सफर मेरे लिए कोई नया नहीं है। मेरी जिम्मेदारी केवल संविधान का पालन करना नहीं, बल्कि उसकी रक्षा करना भी है।'' जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर भी बोले इस दौरान उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना भी साधा। रेड्डी ने कहा, ''देश जानना चाहता है कि पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ कहां हैं? क्या उन्हें नजरबंद कर दिया गया है? अगर उनकी सेहत ठीक नहीं है, तो सरकार को मेडिकल बुलेटिन जारी करना चाहिए।'' उपराष्ट्रपति चुनाव में होगा उलटफेर? गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य मतदान करते हैं। इनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल होते हैं। फिलहाल दोनों सदनों में प्रभावी संख्या 781 है और उपराष्ट्रपति पद को हासिल करने के लिए उम्मीदवार को 391 वोट चाहिए होंगे। मौजूदा समीकरणों की बात की जाए तो एनडीए के पक्ष में लगभग 422 सदस्य हैं। ऐसे में इंडिया गठबंधन के लिए उलटफेर करना आसान नहीं होगा। 9 सितंबर को मतदान के बाद उसी शाम वोटों की गिनती कर नतीजे घोषित किए जाएंगे।

सिद्धिविनायक मंदिर का होगा विस्तार, 100 करोड़ में खरीदी जाएगी बगल की इमारत

मुंबई, एजेंसी। करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र सिद्धि विनायक मंदिर का विस्तार होने वाला है। मंदिर ट्रस्ट ने इसके लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इसी के तहत मंदिर के बगल में मौजूद इमारत राम मैंसन को खरीदने की तैयारी है। यह तीन मंजिला इमारत है, जो 708 वर्ग मीटर के एक प्लॉट में बनी है। यह प्लॉट मंदिर के एकदम बगल में है। मंदिर का मैनेजमेंट करने वाले ट्रस्ट का प्लान है कि उसकी ही जमीन पर बनी सिद्धि विनायक कॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी से भी जमीन ले ली जाए ताकि मंदिर का विस्तार हो सके। दोनों प्लॉट मिलाकर 1800 वर्ग मीटर जगह हो जाएगी। मंदिर के ट्रस्ट का नेतृत्व करने वाले पूर्व विधायक सदा

सरवनकर ने यह जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि इन प्लॉटों को लेकर मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कतार की व्यवस्था हो जाएगी। इसके अलावा यहां पर शिरडी की तर्ज पर एक प्रसादालय बनेगा और टॉयलेट एवं चेंजिंग रूम्स भी बनाए जा सकेंगे। सरवनकर ने कहा, अभी ऐसी स्थिति है कि मंदिर के पास श्रद्धालुओं की लाइन तक के लिए उचित व्यवस्था नहीं है। हमें बहुत बुरा लगता है, जब भक्तगण दर्शन के लिए सड़क तक में लाइन लगाकर खड़े रहते हैं। इसके अलावा मंदिर में टॉयलेट भी नहीं हैं। मंदिर के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर बने टॉयलेट का लोगों को इस्तेमाल करना पड़ता है। इसके अलावा पूजा के लिए आने वाले लोगों को चेंजिंग रूम की भी जरूरत रहती है। हम एक प्रसादालय भी बनाना चाह रहे हैं। मंदिर ट्रस्ट के तहत कुल 225 लोगों का स्टाफ है। इन लोगों के ठहरने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में नई खरीदी जमीन पर इनके लिए आवासीय परिसर भी तैयार हो सकेगा। 1801 में बने मशहूर सिद्धि विनायक मंदिर को मुंबई के प्रमुख धर्मस्थलों में गिना जाता है।

अल्पसंख्यकों पर सिद्धारमैया का एक और दांव, पहली बार कराने जा रहे ऐसा सर्वे; पूर्व देवदासियों पर भी नजर

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अस्पसंख्यकों पर नया दांव चलते हुए गुरुवार को पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के शुरुआती सर्वेक्षण की शुरुआत की है। ये सर्वे राज्य के सभी जिलों में होंगे। इसी सर्वे के साथ-साथ पूर्व देवदासियों का पुनः सर्वेक्षण भी शुरू किया गया है। हालांकि, पूर्व देवदासियों का सर्वे सिर्फ 15 जिलों में होगा। पहली बार हो रहे इस सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य भी भाग लेंगे। यह सर्वेक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा और 45 दिनों तक चलेगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी इकट्ठा करने और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किए जाएँगे। जिन जिलों में पूर्व देवदासियों के सर्वे कराए जाएंगे, उनमें बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गडग, ??कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगिरि, शिवमोग्गा, बल्लारी और विजयनगर शामिल हैं। सरकार ने दो ऐप डेवलप करवाए गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम द्वारा किए जा रहे दोनों सर्वेक्षण 15 सितंबर को शुरू होंगे और 45 कार्य दिवसों के भीतर पूरे हो जाएँगे। इसमें कहा गया है कि सर्वेक्षण कराने की तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, सरकार ने दो ऐप डेवलप करवाए हैं और एक हेल्पलाइन नंबर (1800 599 2025) भी शुरू की है। कहां होंगे ये सर्वे? विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य भर के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासी महिलाओं का पुनः सर्वेक्षण 15 जिलों के तालुका बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि देवदासी पुनर्वास परियोजना इकाई के अधिकारी स्तर के कर्मचारी पूर्व देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण करेंगे। बता दें कि लैंगिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन, समाज या कार्यस्थल में विभिन्न लिंगों (पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर, नॉन-बाइनरी आदि) के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है उस बारे में जानकारी इकट्ठा की जाती है।

हिमाचल में इस मॉनसून 130 बार लैंडस्लाइड, 46 बार बादल फटे, 355 लोगों की मौत; 3787 करोड़ का नुकसान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस मॉनसून में बारिश-भूस्खलन के चलते अब तक 355 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अभी भी लापता हैं और 416 घायल हुए हैं। मॉनसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी लगातार जारी रहा है। अब तक प्रदेश में 130 भूस्खलन, 95 फ्लैश फ्लड और 45 बादल फटने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 3787 करोड़ रुपये लगाया है।

कहां कितनी मौत हुई हैं : राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक जिला वार आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा 58 लोगों की मौत मंडी जिले में हुई है। कांगड़ा में 50, चंबा में 43, शिमला में 38, कुल्लू में 31, किन्नौर में 28, सोलन में 25, उना में 21, बिलासपुर और सिरमौर में 18-18, हमीरपुर में 16

और लाहौल-स्पीति में 9 लोगों की जान गई है। इसके अलावा बरसात के कहर से 3136 पशु और 25 हजार से ज्यादा पोल्ट्री पक्षियों की मौत हो चुकी है।

अब तक 3787 करोड़ के नुकसान का अनुमान : प्रदेश में हुई लगातार भारी बारिश और भूस्खलनों से हजारों घर जमींदोज हो गए हैं। अब तक 5194 कच्चे-पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 1012 पूरी तरह ढह गए। 447 दुकानें और 4510 पशुशालाएं भी धराशायी हो गई हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 3787 करोड़ रुपये लगाया है। इसमें अकेले लोक निर्माण विभाग को 2252 करोड़, जलशक्ति विभाग को 1238 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 139 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

4 नेशनल हाइवे व 1208 सड़कें ठप : राज्य में सड़कों और यातायात व्यवस्था की हालत बदतर बनी हुई है। गुरुवार शाम तक चार नेशनल हाइवे और 1208 अन्य सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध रहीं। बंद पड़े नेशनल हाइवे में किन्नौर का एनएच-05, कुल्लू का एनएच-03 और एनएच-305, लाहौल-स्पीति का एनएच-505 और मंडी का एनएच-03 शामिल हैं। अकेले मंडी जिले में 287 सड़कें बंद हैं, जबकि कुल्लू में 230, शिमला में 211, चंबा में 192 और कांगड़ा में 41 सड़कें यातायात के लिए ठप हैं।

1885 ट्रांसफार्मर खराब हो चुके हैं : बारिश से बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी बड़ा असर पड़ा है। प्रदेश में 1885 ट्रांसफार्मर खराब हो चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 999 ट्रांसफार्मर कुल्लू में, 259 शिमला में, 307 मंडी में, 130 सिरमौर में और 136 सोलन में बंद पड़े हैं। इसी तरह 824 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें 348 शिमला, 187 चंबा, 93 सिरमौर और 78 मंडी में ठप हैं।

130 भूस्खलन, 45 बार बादल फट चुके : मॉनसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी लगातार जारी रहा है। अब तक प्रदेश में 130 भूस्खलन, 95 फ्लैश फ्लड और 45 बादल फटने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। लाहौल-स्पीति में सबसे ज्यादा 26 बार भूस्खलन और 56 बार फ्लैश फ्लड की घटनाएं हुई हैं, जबकि मंडी जिला बादल फटने की 19 घटनाओं के साथ सबसे आगे रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)